epaper.dehatsandesh.com

3 महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान आयोजित किया | 5 शतरंज ग्रैंड स्लैम: गुकेश ने ड्रा खेला | 8 महाकुम्भ में सनातन धर्म का विराट दर्शन, श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ पार

न्यूनतम 12 मौसम जम्मू अधिकतम 23

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-44 | जम्मू तवी, शनिवार 15 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

ट्रम्प ने मोदी के साथ वार्ता में शुल्क कम करने की भारत की घोषणा का किया स्वागत

वाशिंगटन/नयी दिल्ली 14 फरवरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता में आयात शुल्क कम करने की भारत की घोषणा का स्वागत किया है।

श्री ट्रम्प ने भारत द्वारा लगाए गए आयात शुल्क (टैरिफ) को 'बहुत अधिक' और 'बहुत अनुचित' करार देते हुए कहा कि श्री मोदी के साथ अपनी वार्ता में दोनों पक्ष असमानताओं को दूर करने और समान अवसर बनाने के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमत हुए हैं।उन्होंने श्री मोदी के साथ वार्ता के बाद व्हाइट हाउस में अपने संबोधन में कहा कि दोनों पक्ष आर्थिक संबंधों को गहरा करेंगे और 'हमारे व्यापारिक संबंधों में अधिक निष्पक्षता और पारस्परिकता लाएंगे।'उन्होंने कहा, सद्भावना के संकेत के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में भारत के अनुचित, बहुत मजबूत टैरिफ में कटौती की घोषणा की जो भारतीय बाजारों में अमेरिकी पहुंच को सीमित करते हैं और मुझे कहना होगा कि यह एक बड़ी समस्या है। भारत कई वस्तुओं पर 30-40 प्रतिशत, 60 और यहां तक कि 70 प्रतिशत टैरिफ लगाता है और कुछ मामलों में इससे भी अधिक और उदाहरण के तौर पर भारत में जाने वाली अमेरिकी कारों पर 70 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाता है जिससे उन कारों को बेचना लगभग असंभव हो जाता है।

श्री ट्रम्प ने यह भी कहा कि भारत के साथ व्यापार घाटा लगभग 100 अरब डॉलर है और उन्होंने और श्री मोदी ने इस बात पर सहमति जताई है कि हम उन असमानताओं को दूर करने के लिए बातचीत शुरू करेंगे, जिनका पिछले चार वर्षों में ध्यान रखा जाना चाहिए था... हम एक निश्चित स्तर का खेल मैदान चाहते हैं, जिसके बारे में हमें लगता है कि हम इसके हकदार हैं, और निष्पक्षता से कहें तो वह भी वास्तव में ऐसा ही चाहते हैं, और हम इस पर काम करने जा रहे हैं। हम तेल और गैस, और एलएनजी की बिक्री से घाटे की भरपाई कर सकते हैं, जो हमारे पास दुनिया में किसी भी देश से ज़्यादा है। श्री ट्रम्प ने कहा कि वह और पीएम मोदी ऊर्जा पर एक समझौते पर पहुँच गए हैं जो अमेरिका को तेल और गैस के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में पुनर्स्थापित करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल का जवाब देते हुए भारत 'बहुत ज़्यादा टैरिफ' लगाता रहा है और अब वे पारस्परिकता की ओर बढ़ रहे हैं जिसकी घोषणा उन्होंने पहले व्हाइट हाउस में की थी।उन्होंने कहा, भारत में व्यापार बाधाओं और बहुत अधिक टैरिफ के कारण बिक्री करना बहुत कठिन है। अभी हम एक पारस्परिक राष्ट्र हैं हम वही शुल्क लेंगे जो वे हमसे ले रहे हैं, मुझे लगता है कि यह बहुत उचित तरीका है। मैं अपने दूसरे कार्यकाल में ऐसा करने जा रहा था, लेकिन हम कोविड से प्रभावित हो गए और हमें उस पर ध्यान केंद्रित करना पड़ा... उस समय हमारी अर्थव्यवस्था सबसे मजबूत थी... अब हमें लगता है कि 45-50 वर्षों के दुरुपयोग के बाद ऐसा करने का समय आ गया है।

ट्रम्प ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दी

वाशिंगटन/नयी दिल्ली, 14 फरवरी । अमेरिका की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। श्री ट्रम्प ने घोषणा की कि उनके प्रशासन ने तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ संबंध पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे श्री ट्रम्प ने श्री मोदी के साथ वार्ता के बाद व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आज मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मेरे प्रशासन ने 26/11/2008 के भयावह मुंबई आतंकवादी हमलों से जुड़े साजिशकर्ताओं और दुनिया के सबसे दुष्ट लोगों में से एक के प्रत्यर्पण को भारत में न्याय का सामना करने के लिए मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री उमर ने स्कॉस्ट-जम्मू में पंचायत सचिवों को नियुक्ति आदेश वितरित किए

जम्मू 14 फरवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी जम्मू में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सार्वजनिक सेवा में ईमानदारी, पारदर्शिता और समर्पण के महत्व पर प्रकाश डाला।

यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास विभाग, जम्मू-कश्मीर में नव नियुक्त पंचायत सचिवों को नियुक्ति आदेश वितरित करने के लिए आयोजित किया गया था।

नियुक्तियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें सरकार और लोगों के बीच की दूरी को पाटने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाई।

उन्होंने कहा नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी थी, हालाँकि इसमें चुनौतियाँ थीं। कठिनाइयों के बावजूद, हमने सुनिश्चित किया कि प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से पूरी हो। आज आपको नियुक्ति आदेश किसी के उपकार के रूप में नहीं, बल्कि आपकी कड़ी मेहनत और योग्यता के परिणाम के रूप में प्राप्त हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में पंचायती राज व्यवस्था के ऐतिहासिक विकास को याद करते हुए, उमर अब्दुल्ला ने जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने में पिछली सरकारों, विशेष रूप से पूर्व मुख्यमंत्री शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने कहा पंचायती राज प्रणाली पहली बार जम्मू और कश्मीर ग्राम पंचायत अधिनियम के तहत शुरू की गई थी। समय के साथ, पंचायत प्रणाली विकसित हुई है, हर सरकार इसे मजबूत करने में अपनी भूमिका निभा रही है। पंचायत चुनावों के महत्व के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने स्थानीय शासन में उच्च स्तर की सार्वजनिक भागीदारी की ओर इशारा किया। हमने देखा है कि जहां संसदीय चुनावों में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम होता है, वहीं विधानसभा चुनावों में यह बढ़ जाता है। हालाँकि, पंचायत चुनावों में उच्चतम स्तर की भागीदारी देखी जाती है क्योंकि ये संस्थाएँ लोगों के सबसे करीब होती हैं।'' उमर अब्दुल्ला ने नवनियुक्त पंचायत सचिवों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ग्रामीण विकास के लिए आवंटित सरकारी धन का उपयोग प्रभावी ढंग से और भ्रष्टाचार के बिना किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा, योजनाएं चाहे केंद्र प्रायोजित हों या जम्मू-कश्मीर प्रायोजित अधिकतम सार्वजनिक लाभ सुनिश्चित करते हुए ईमानदारी से लागू की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, आपको दबावों और निर्णयों को प्रभावित करने के प्रयासों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन आपका कर्तव्य न्याय को बनाए रखना और गरीबों की सेवा करना है। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि सरकारें बदलती रहती हैं, लोक सेवकों की जिम्मेदारी स्थिर रहती है। राजनीतिक बदलावों के बारे में चिंता मत करो, आपका ध्यान समर्पण के साथ लोगों की सेवा करने पर होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि वह आने वाले वर्षों में नियुक्त व्यक्तियों के साथ बातचीत करना जारी रखेंगे और अपने कर्तव्यों को पूरा करने में अपनी सरकार के समर्थन का वादा करेंगे। यह हमारी आखिरी मुलाकात नहीं होगी। आज, हम यहां हैं, लेकिन कल, हम क्षेत्र में मिलेंगे, शासन में सुधार के लिए मिलकर काम करेंगे। मैं आपके क्षेत्रों का दौरा करने और आपके काम के प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए उत्सुक हूं।

उपराज्यपाल ने पुलवामा हमले के शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

श्रीनगर, 14 फरवरी । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को 2019 के पुलवामा हमले के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सर्वोच्च बलिदान और बहादुरी का सम्मान किया।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक्स के माध्यम से 2019 के पुलवामा हमले के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स के माध्यम से कहा कि 2019 के जघन्य पुलवामा हमले के साहसी शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि। मातृभूमि की सेवा में उनके सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

हमारे वीर नायकों का साहस और निस्वार्थ प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी, 2019 को पुलवामा के अवंतीपोरा में आतंकवादियों द्वारा किए गए आत्मघाती हमले में 40 जवान बलिदान हो गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

नियंत्रण रेखा के पास से पुलिस ने छह किलोग्राम मादक पदार्थ किए जब्त

राजौरी, 14 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर की नियंत्रण रेखा के पास से पुलिस ने करीब छह किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया है जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह हेरोइन है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह बरामदगी एक मामले की जांच के दौरान की गई है जिसमें कुछ सप्ताह पहले पुलिस ने दो लोगों को मादक पदार्थों की खेप के साथ गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक मामले की जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण सुराग हासिल किए हैं जिसके दौरान छह किलोग्राम मादक पदार्थों की खेप जब्त की गई है।

उन्होंने बताया कि यह खेप सीमा पार से तस्करी करके लाई गई थी और एक सुनसान जगह पर छिपाकर रखी गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारियां तथा बरामदगी होने की उम्मीद है।

सपनों को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगायें महिलाएं : मुर्मु

नयी दिल्ली 14 फरवरी । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रत्येक महिला से हिम्मती बनने, बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने के लिए पूरी ताकत तथा क्षमता का इस्तेमाल करने को कहा है।

श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि भारत की नारी शक्ति आकांक्षा, उपलब्धि और योगदान के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा , ऋ चाहे वह विज्ञान हो, खेल हो, राजनीति हो, कला हो या संस्कृति हो, हमारी बहनें और बेटियाँ अपना सिर ऊँचा करके आगे बढ़ रही हैं। वे अपने परिवार, संस्थानों और देश को गौरवान्वित कर रही हैं। मानसिक शक्ति के बिना बाधाओं को तोड़ना और रूढ़ियों को चुनौती देना संभव नहीं है। उन्होंने प्रत्येक महिला से साहस जुटाने, बड़े सपने देखने और सपनों को हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत और क्षमता का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य की ओर प्रत्येक व्यक्ति द्वारा उठाया गया प्रत्येक छोटा कदम, विकसित भारत की ओर एक कदम है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हम तकनीकी व्यवधान के युग में हैं। प्रौद्योगिकी में प्रगति ने हमें कुछ मायनों में बेहतर जीवन स्तर प्रदान किया है। ऐसी प्रतिस्पर्धी दुनिया में, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे मानवीय मूल्य बरकरार रहें। वास्तव में, प्रत्येक मनुष्य को करुणा, प्रेम और एकता के मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सचेत रूप से अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। यहीं पर महिलाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है।

कटडा में चलाया गया बाल श्रम अभियान, 5 नाबालिगों को बचाया

कटडा, 14 फरवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन रियासी द्वारा शुक्रवार को कटरा में विभिन्न विभागों के सहयोग से मजबूर बच्चों और किशोरों के बचाव और पुनर्वास के लिए एक व्यापक बाल श्रम अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पांच नाबालिगों को बचाया गया। यह अभियान राष्ट्रीय बाल कल्याण और श्रम विभाग द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय आयोग द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशें के तहत चलाया गया। यह अभियान जिला बाल संरक्षण अधिकारी (डीसीपीओ) सचिन शर्मा और सहायक श्रम आयुक्त (एएलसी) एनी वैद की देखरेख में विभिन्न एजेंसियों के सदस्यों के साथ मिलकर आयोजित किया गया।अभियान के दौरान कटरा में विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, रेस्तरांओं, ढाबों, स्ट्रीट स्टॉलों और अन्य स्थानों पर निरीक्षण किया गया। इन निरीक्षणों के दौरान पांच नाबालियों को बचाया गया और इस तरह के अभियान की तात्कालिकता और आवश्यकता को उजागर किया। बचाव टीम में कई विभाग के सदस्य शामिल थे जिनमें समाज कल्याण, श्रम, स्वास्थ्य, पुलिस, डीएलएसए और बाल हेल्पलाइन, बाल कल्याण समिति के सदस्य शामिल थे।

नवनियुक्त बीएसएफ आईजी ने उपराज्यपाल के साथ सीमा सुरक्षा पर चर्चा की

जम्मू, 14 फरवरी । बीएसएफ के महानिरीक्षक जम्मू फ्रंटियर, शशांक आनंद ने शुक्रवार को जम्मू में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और उनके साथ सीमा सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। हरियाणा कैडर के आईपीएस अधिकारी आनंद ने 7 फरवरी को बीएसएफ के नए आईजी के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने डी के बूरा की जगह ली है जो अक्टूबर 2021 से पद पर थे। आनंद को नई दिल्ली में बीएसएफ मुख्यालय में तैनात किया गया है। राजभवन के प्रवक्ता ने कहा कि सिन्हा के साथ अपनी बैठक के दौरान बीएसएफ के नए आईजी ने सीमा सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के अलावा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल ने समन्वित तरीके से किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच निरंतर सतर्कता और तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया।

बीएसएफ जम्मू फ्रंटियर कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों को कवर करते हुए 192 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की रक्षा करता है और राजौरी जिले के कुछ हिस्सों में सुरक्षा ग्रिड के लिए भी जिम्मेदार है।

भाजपा ने पुलवामा शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की

कठुआ, 14 फरवर। पुलवामा शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए जम्मू-कश्मीर भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए 40 सीआरपीएफ कर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित की।

सत शर्मा, अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर भाजपा के साथ विपक्ष के नेता सुनील शर्मा, विधायक एडवोकेट विजय शर्मा, राजीव जसरोटिया, सतीश शर्मा, दर्शन सिंह, और डॉ. भारत भूषण, पूर्व विधायक जीवन लाल, और कुलदीप राज, जिला अध्यक्ष उपदेश अंदोत्रा और गोपाल कृष्ण, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल महाजन और अन्य ने जिला कठुआ के हीरानगर मंडल में शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

सत शर्मा ने पुलवामा आतंकवादी हमले को एक जघन्य और कायरतापूर्ण कृत्य करार दिया जिसमें हमारे सैनिकों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) द्वारा किए गए क्रूर हमले के परिणामस्वरूप 40 बहादुर सीआरपीएफ कर्मियों को खो दिया गया जिससे पूरा देश सदमे और शोक में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने दुश्मन ताकतों को कड़ा संदेश देते हुए इस हमले का बदला लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कभी नहीं भूलेगा सुनील शर्मा ने कहा कि आतंकवाद के इस बर्बर कृत्य की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

सूचना निदेशक द्वारा विभाग के प्रदर्शन, कार्यप्रणाली की समीक्षा

जम्मू 14 फरवरी। निदेशक सूचना जम्मू-कश्मीर नितीश राजोरा ने सार्वजनिक पहुंच, कुशल संचार रणनीतियों, सरकारी पहलों के समय पर प्रसार के साथ-साथ मीडिया समन्वय को मजबूत करने और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से सार्वजनिक जुड़ाव में सुधार पर जोर दिया।

निदेशक ने यह बात मीडिया कॉम्प्लेक्स में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रदर्शन और कामकाज की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए की।

संयुक्त निदेशक सूचना (मुख्यालय), विवेक पुरी, संयुक्त निदेशक सूचना जम्मू अतुल गुप्ता, संयुक्त निदेशक सूचना कश्मीर शाहनवाज भुखारी, उपनिदेशक सूचना (पीआर) दीपक दुबे, उप निदेशक सूचना (केंद्रीय) सुनील कुमार, उप निदेशक पीआर कश्मीर अहसान उल हक चिश्ती, उप निदेशक पीआर जम्मू अंकुश हंस, सांस्कृतिक अधिकारी, क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, सूचना अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बैठक के दौरान निदेशक ने जनता की भलाई के लिए सक्रिय संचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से सरकार के विकासात्मक कार्यक्रमों, कल्याणकारी योजनाओं और नीतिगत निर्णयों को उजागर करने के लिए नवीन दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया।

निदेशक ने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, वास्तविक समय के अपडेट और सार्वजनिक प्रतिक्रिया के लिए सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने पर विशेष जोर दिया।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के केंद्र में हैं: सतीश शर्मा

जम्मू 14 फरवरी । एफसीएस और सीए, परिवहन, युवा सेवा और खेल, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने एसएमवीडीयू कटरा में बायोसाइंसेज और रासायनिक प्रौद्योगिकी, 2025 में उभरते रुझानों पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

इस अवसर पर श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. प्रगति कुमार, एसएमवीडी कॉलेज ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस के कार्यकारी निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के प्रमुख प्रो. रत्ना चंद्रा और सम्मेलन के संयोजक डॉ. इंदु भूषण शर्मा भी उपस्थित थे। सम्मेलन की शुरुआत में मंत्री ने पुलवामा हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन भी रखा गया। सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के समर्पण की सराहना की और कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता वास्तव में सराहनीय है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सम्मेलन हमारी लगातार विकसित हो रही दुनिया में अभूतपूर्व प्रगति और उनके अनुप्रयोगों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। सतीश शर्मा ने जैव विज्ञान और रासायनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुछ बेहतरीन दिमागों को एक साथ लाने के लिए एसएमवीडीयू और आयोजन समिति को बधाई दी। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के केंद्र में हैं, और आज की तेजी से विकसित हो रही दुनिया में, जैव विज्ञान और रासायनिक प्रौद्योगिकी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, चाहे वह स्वास्थ्य सेवा, कृषि, ऊर्जा या पर्यावरणीय स्थिरता हो। उन्होंने कहा, जैव विज्ञान के क्षेत्र में, हम जीनोम संपादन और पुनर्योजी चिकित्सा से लेकर सिंथेटिक जीव विज्ञान और व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल तक अभूतपूर्व नवाचार देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राजौरी, पुंछ के जन प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श किया

जम्मू 14 फरवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने चल रहे बजट-पूर्व परामर्श के हिस्से के रूप में नागरिक सचिवालय में पुंछ और राजौरी जिलों के जन प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया। चर्चा में उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र कुमार चौधरी और मंत्री जावेद अहमद राणा ने भाग लिया, जिन्होंने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। राजौरी और पुंछ के दोनों जिलों से जिला विकास परिषदों के अध्यक्षों और विधान सभा के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से और वर्चुअल मोड के माध्यम से भाग लिया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने दोहराया कि इन परामर्शों का उद्देश्य अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से लोगों की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना है। मुख्यमंत्री ने कहा ऋजब हम नई परियोजनाएं शुरू करते हैं, तो यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि चल रही परियोजनाएं नई परियोजनाओं की तरह ही प्राथमिकता के साथ पूरी हों। हर परियोजना लोगों की है, और सभी चल रहे कार्यों को समय पर पूरा करने की जरूरत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों और प्राथमिकताओं पर विधिवत ध्यान दिया गया है और आगामी बजट में शामिल करने पर विचार किया जाएगा। आप प्राथमिक हितधारक हैं, आप प्रतिदिन लोगों से मिलते हैं और उनकी सबसे गंभीर चिंताओं को समझते हैं। हमारा उद्देश्य आपको योजना और विकास में शामिल करना है ताकि लोगों की आवाज़ को हमारे शासन में जगह मिल सके बैठक के दौरान, राजौरी और पुंछ के उपायुक्तों ने पूंजीगत व्यय कार्यों पर जिलेवार अपडेट प्रस्तुत किए जिन्हें जम्मू और कश्मीर विधानसभा के आगामी बजट सत्र में प्राथमिकता दी जाएगी। इस अवसर पर, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, जो नौशेरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में कई प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला

एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...

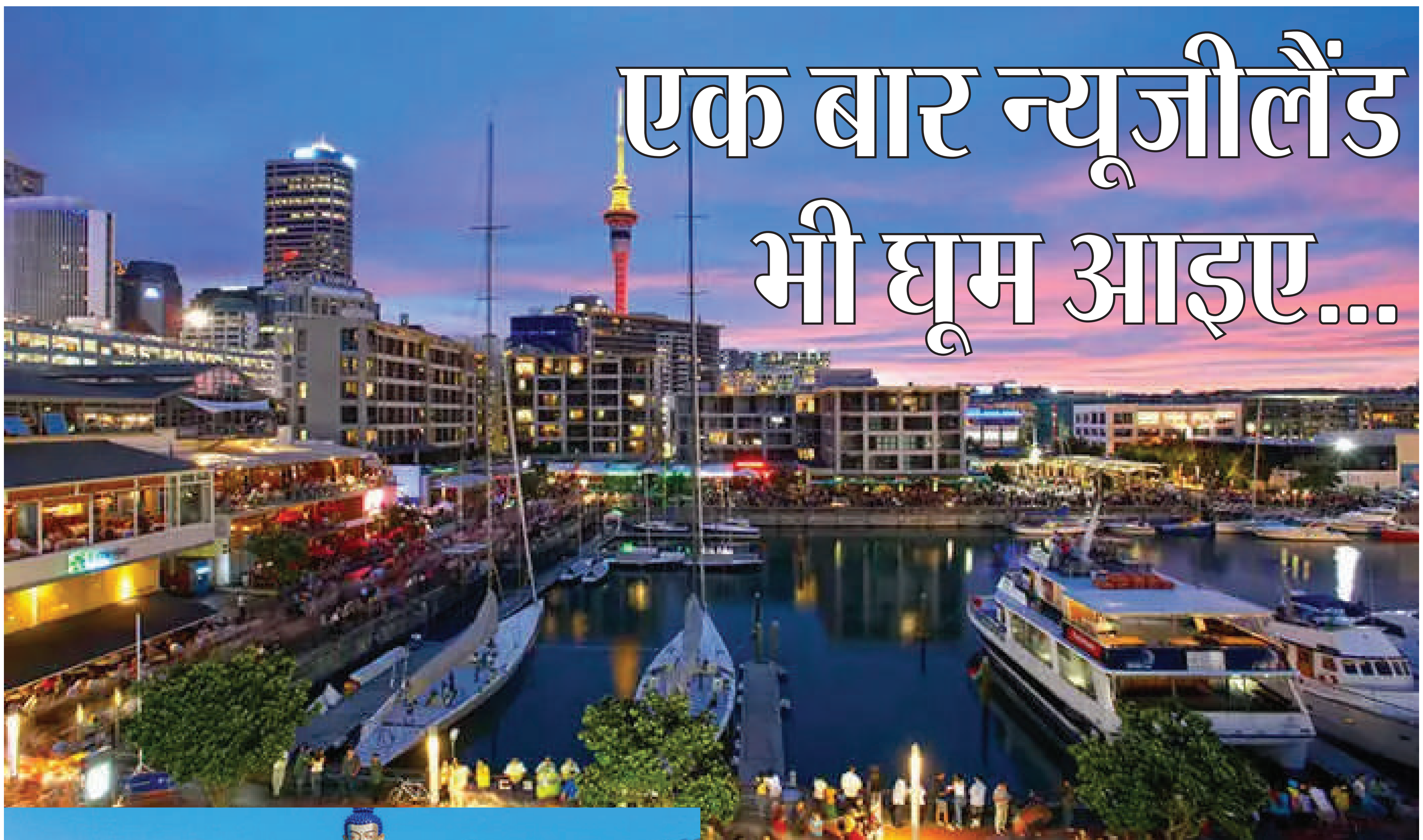

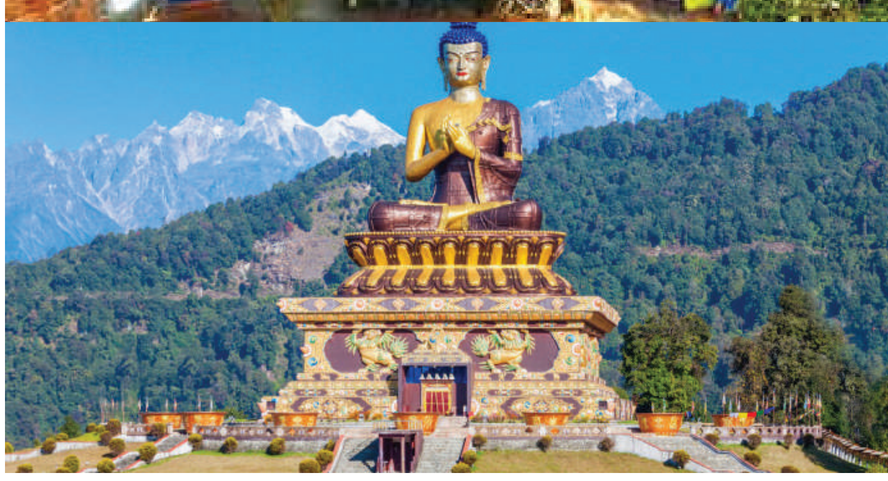

अगर आप सर्दी और क्रिसमस के दौरान विदेश यात्रा का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...। सर्दी और क्रिसमस की छुट्टियां निकट हैं। छुट्टियों के दौरान अक्सर लोग पर्वतीय, बर्फीले या समुद्री इलाकों में घूमना पसंद करते हैं, तो कुछ परंपरागत लोगों को वाइल्ड लाइफ और कुदरती खूबसूरती से भरे क्षेत्रों में फुर्सत के पलों को बिताना अच्छा लगता है। ऐसे में अगर विदेश में घूमने की प्लानिंग है, तो न्यूजीलैंड परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां बर्फीली चोटियां, झरने, द्वीप, अंगूर के बगीचे, लाल लकड़ियों वाले घने जंगल और दूर तक फैली समुद्र तट सब कुछ हैं।

यहां के नजारे आपको किसी स्वप्न लोक का एहसास कराएंगे। आइए, यहां के कुछ खुशनुमा पर्यटन स्थलों से आपको रूबरू कराते हैं... रोटोरुआ न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप स्थित रोटोरुआ अपनी कुदरती खूबसूरती की वजह से एक रहस्यमयी धरती है और आठवें अजूबे के रूप में दुनियाभर में लोकप्रिय है। इस स्थल को वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा भी हासिल है। यहां जमीन के अंदर से हर समय निकलते गर्म पानी के बुलबुलों को काफी उत्सुकता से लोग देखते हैं।

जमीन के गर्म पानी में वार्मबाथ लेने के लिए सैलानियों में यह क्षेत्र खूब लोकप्रिय है। इस जगह के कई और भी आकर्षण हैं। अगर आप यहां आएं, तो फ्लोटप्लेन और जेट बोटिंग का आनंद जरूर उठाएं। कंक्रीट के बने रनवे की बजाय पानी के ऊपर से ही ये प्लेन उड़ान भरते हैं। फिर सैलानियों को रोटोरुआ की हवाई सैर कराते हैं। ऊपर से शहर का प्राकृतिक नजारा देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। एडवेंचर के शौकीनों को भी यहां करने के लिए बहुत कुछ है, इनमें माउंटेन बाइकिंग, स्काई डाइविंग सैलानियों को खूब पसंद आती है।

अनुपम हैं प्राकृतिक नजारें-- नेपियर न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन से 320 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस शहर को माओरी भाषा में अहुरिरी कहा जाता है। यहां का हॉक्स बे इलाका पहाड़, समुद्रतट, बंदरगाह और हवाई अड्डे के कारण पर्यटन का मुख्य केंद्र है। लोग यहां दशकों पुरानी आर्ट डेको वास्तुकला को भी निहारने आते हैं। यहां का मियामी बीच काफी चर्चित है। खाने के शौकीन लोग अक्सर यहां खिंचे चले आते हैं, क्योंकि वाइन और फूड के लिए नेपियर काफी मशहूर है।

ऑकलैंड समुद्र तटों का आनंद उठाने के लिए ऑकलैंड बेहतरीन जगह है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण पानी के भीतर का सैर है। सैलानी इस यादगार लम्हे का लुत्फ उठाने से नहीं चूकते। चाहें तो यहां के नाइंटी माइल बीच पर गोताखोरी के साथ-साथ डॉलफिन मछलियों के साथ तैराकी का मजा भी ले सकते हैं। समुद्रतटों पर बने रिसॉर्ट में ठहरने का भी अपना एहसास है। यहां की रंगारंग पार्टियां, कसीनो, हॉट एयर बैलूनिंग, घुड़सवारी, बच्चों का एडवेंचर पार्क, क्लॉक म्यूजियम, काऊ वर्ल्ड पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। ऑकलैंड खरीदारी के लिए भी अच्छी जगह है। यहां कई फेमस रेस्टोरेंट और दुकानें हैं।

प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए बेस्ट हैं राजस्थान की ये जगहें, जिंदगी भर नहीं भूलेंगे आप

हम सभी यादों को कैद करने के लिए तस्वीरें लेते हैं। वहीं शादी के पलों को खासकर अपनी यादों में संजोना चाहते हैं। जैसे शादी से पहले प्री-वेडिंग फोटोशूट, पोस्ट वेडिंग शूट, मैटरनिटी शूट करवाते हैं। जिससे कि इन तस्वीरों को हम जब भी देखें, तो इन खूबसूरत पलों को यादकर मुस्कुरा सकें। इस सब के बीच आजकल के कपल्स प्री वेडिंग फोटोशूट करवाना पसंद करते हैं।

ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप भी प्री वेडिंग शूट के लिए खूबसूरत जगहों की तलाश कर रहे हैं। तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। राजस्थान में आपको कई ऐसी लोकेशन मिलेंगी। जो आपको रॉयल फील देने का काम करेंगे। तो आइए जानते हैं उन जगहों के बारें में जहां पर आप प्री वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

मंडावा- अपनी खूबसूरत नक्काशी और कृतियों वाली हवेलियों के लिए जाना जाने वाला मंडावा रिच कल्चरल हेरिटेज डेस्टिनेशन है। ऐसे में आप यहां पर फोटोशूट करवा सकते हैं। शादी के सीजन में कई कपल्स यहां पर फोटोशूट करवाते हैं।

बूंदी - राजस्थान का बूंदी शहर अपने भव्य महलों के लिए पूरी दुनिया में फेमस हैं। यह हवेलियां और महल आपकी प्री-वेडिंग शूट को रॉयल लुक देने का काम करेगा। आप यहां पर तारागढ़ किला, रानी जी की बावड़ी आदि में अपना शूट करवा सकते हैं।

शेखावाटी एरिया- आपको बता दें कि शेखावाटी एक ओपन एयर आर्ट गैलरी है। यहां की हवेलियों में खूबसूरत पेंटिंग हो रखी है। प्री-वेडिंग शूट के लिए य़ह लोकेशन सबसे बेस्ट है। शेकावाटी एरिया का खूबसूरत लोकेशन आपके प्री-वेडिंग शूट में चार चांद लगाने का काम करेगा।

रणकपुर- रणकपुर 15वीं शताब्दी के जैन मंदिरों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। रणकपुर में कई ऐसी जगहे हैं, जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

भरतपुर- राजस्थान का भरतपुर अपने नेचर और वाइल्डलाइफ के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर आप भी प्री-वेडिंग शूट में वाइल्डलाइफ और नेचर का टच देना चाहते हैं, तो यह जगह परफेक्ट है। इसके अलावा भरतपुर में आप लोहागढ़ किले में भी शूट करवा सकते हैं।

खिमसर- दरअसल, यह गांवनुमा एक रिज़ॉर्ट है। यह जगह खिमसर किले और थार डेजर्ट के लिए जानी जाती है। यह जगह अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। ऐसे में यहां पर प्री वेडिंग शूट करवाना एक यूनिक आइडिया हो सकता है।

कुंभलगढ़- कुम्भलगढ़ दुर्ग राजस्थान के राजसमन्द ज़िले में स्थित एक दुर्ग है। हांलाकि इस जगह को लोगों द्वारा काफी कम एक्सप्लोर किया गया है। ऐसे में यहां पर आपको प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी हरियाली देखने को मिलेगी। वहीं प्री-वेडिंग शूट के लिए यह भी एक अच्छा ऑप्शन है।

भैंसरोड़गढ़- कई कपल्स प्री वेडिंग शूट के लिए थोड़ा यूनिक जगह की तलाश कर रहे हैं, तो भैंसरोड़गढ़ आपको निराश नहीं करेगा। भैंसरोड़गढ़ में नेचर और चंबल नदी का किनारा आपके शूट को खूबसूरत बनाने का काम करेगा।

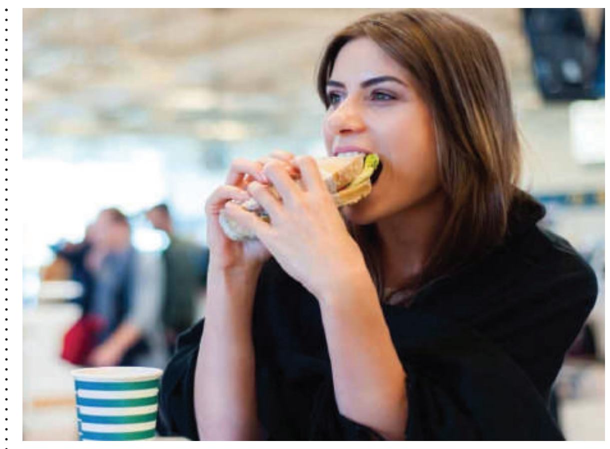

सफर के दौरान इन चीजों का सेवन हो सकता है हानिकारक

लंबी छुट्टियों के दौरान हर कोई पूरे परिवार के साथ कहीं न कहीं घूमने जाने का प्लान बनाता है। गर्मियों की छुट्टी हो या वेकेशन हिल स्टेशन जाने का अपना ही मजा होता है। कई लोग सफर के दौरान गाने सुनते हैं तो कोई किताब पढते हैं तो कोई आराम करते हैं। सफर के समय भूख लगना एक बहुत ही ज़ाहिर सी बात हैं। हम घर से काफी सारी चीजें लेकर जाते हैं सफर के लिए लेकिन सफर में हम और चीजें भी खरीद लेते हैं। जिससे कई लोगों को सफर के दौरान उल्टी, जी मचलने की, सर घूमने की शिकायत रहती है और ऐसा होने पर सफर का मजा फीका पड़ जाता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सफर में कि चिजों का सेवन हानिकार साबित हो सकता है।

तला हुआ खाना - ध्यान रहे कि सफर में कभी भी आप तले हुए खाने का सेवन ना करें ऐसा करने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता हैं। ट्रेन से यात्रा के दौरान कई बार स्टेशन पर समोसे, कटलेट जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें देखकर मन ललचाने लगता है और हम भूख न लगने पर भी इनका सेवन कर लेते हैं। बाहर खुले में बिकने वाली इन चीजों को यात्रा के दौरान खाने की गलती न करें।

नॉन वेज - अगर आप सफर के दौरान नॉन वेज खाते हैं तो वह आपके पेट के लिए सहीं नहीं हैं क्योंकि नॉन वेज काफी हेवी होता हैं और उसे पचने मे काफी समय लगता हैं और सफर में हम सिर्फ बैठे रहते हैं और हम ज्यादा हिल डुल नहीं सकते हैं जिससे नॉन वेज पच नहीं पाता हैं। इसलिए ध्यान रहें कि आप सफर के समय में हल्की चीजों का सेवन करें।

दूध अंडा - दूध और अंडा भी काफी भारी होते हैं हमारे पेट के लिए और इन्हें पचने में काफी समय लगता हैं तो अगली बार जब भी आप सफर करें तो ध्यान रहें कि आप दूध और अंडे का सेवन ना करें ताकी आपकी सेहत को कोई नुकसान ना हों और आपका सफर अच्छे से बीते।

केले के चिप्स - सफर के दौरान आप सूखे केले के चीप्स खा सकते हैं। ये आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। इसके अलावा एक मुट्ठी बादाम, भूने हुए चने, पिस्ता, सूखे कॉर्नफ्लैक्स और मूंगफली को हल्का सा सरसों के तेल या ऑलिव ऑयल में फ्राई करके पैक करके रख लें। इनके अलावा आप सेब और केले का सेवन भी कर सकते हैं।

नवविवाहित जोड़ों के लिए ये हैं 5 सबसे रोमांटिक डेस्टिनेशंस

अपने पार्टनर के साथ कुछ पल अकेले गुजारना चाहते हैं तो ट्रैवलिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। खासकर न्यूली वेड्स के लिए तो ऐसा करना बेहद यादगार हो सकता है। यहां है कुछ खास रोमांटिक डेस्टिनेशंस की लिस्ट, जहां आप अपने स्पाउस के साथ जाने की तैयारी कर सकते हैं।

पॉन्डिचेरी- 1499 में वास्को डी गामा ने इसे डिस्कवर किया था। पॉन्डिचेरी या पुडुचेरी दुनिया की सबसे ज्यादा रोमांटिक डेस्टिनेशंस में से एक है। यहां के फ्रेंच कोलोनियल बिल्डिंग्स और खूबसूरत चर्च देखने लायक हैं। होटल कोरामंडल हेरिटेज में आप एक आरामदायक स्टे कर सकते हैं। इसके अलावा प्रोमेनेड और ले रॉयल पार्क भी अच्छे होटल साबित होंगे। स्वाद का आनंद उठाना चाहते हैं तो कैफे जटासी, सत्संगा, बेकर स्ट्रीट बेस्ट हैं। पॉन्डिचेरी जाएं तो प्रोमेनेड बीच, पैरेडाइज बीच, ऑरोविल बीच, सेरेनिटी बीच बिलकुल भी मिस नहीं करें।

वेनिस- इटली का वेनिस भी दुनिया की बेहद रोमांटिक जगह में शामिल है। यहां के खूबसूरत कैनाल इस जगह के चार्म और मूड में चार चांद लगा देते हैं। ग्रिटी पैलेस, कार्निवल पैलेस और मोरेस्को जैसे होटल, वेनिस में रहने के लिए सबसे अच्छे माने जाते हैं। कैनाल में एक शानदार बोट-राइड न्यूली-वेड्स के लिए यादगार साबित होगी। ये गोंडोला राइड्स के नाम से मशहूर हैं। कैनाल के अलावा पियाजा सैन मार्को भी जरूर देखें। यहां के ला जुका, रिवेरिआ और अल मेरका जैसे रेस्ट्रॉन्ट्स भी बेहद पसंद आएंगे। कुलमिलाकर प्यार को सेलेब्रेट करने के लिए वेनिस से अच्छी जगह नहीं होगी।

बोरा बोरा- बोरा बोरा को परफेक्ट लवर्स पैरेडाइज भी कहा जा सकता है। ये न्यूलीवेड्स के लिए आदर्श हनीमून डेस्टिनेशन है। यहां का माहौल किसी सपने जैसा महसूस होता है। ऐसा लगता है मानो आप दूसरी ही दुनिया में आ गए हों। एक कोजी स्टे के लिए आप होटल ले मेरीडियन, होटल मैटेयी और ब्लू हेवन आइलैंड ट्राय करें। रेस्ट्रॉन्ट्स में ला विला महाना, द लकी हाउज और ते पहु में शानदार मील्स लिए जा सकते हैं। यहां का सनसेट आप अपने पार्टनर के साथ खूब एन्जॉय करेंगे।

पैरिस- खुद को एक परफेक्ट रोमांटिक फैंटेसी में देखना चाहते हैं तो पैरिस से अच्छा कुछ नहीं। यहां के होटल रेसिडेंस फो, एक्रोपोल और शांग्रीला में रोमांटिक और बेहद आरामदायक स्टे किया जा सकता है। इस सिटी में अपने पार्टनर का हाथ पकड़कर पैदल घूमने का अलग ही मजा है। नोट्रे डेम या आइकॉनिक एफिल टॉवर में पिक्चर्स क्लिक करवाएं। पैरिस का माहौल आपकी मैरिड लाइफ में काफी रस घोल सकता है।

कॉट्सवोल्ड्स- इंग्लैंड का कॉट्सवोल्ड्स हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां आपको बहुत प्रिवेसी मिलेगी और साथ ही फिशिंग, स्विमिंग और बोटिंग एन्जॉय करने का वक्त भी मिलेगा। कॉट्सवोल्ड्स में ओल्ड स्टॉक इन, मेटाइम इन और बार्न्सले हाऊस में स्टे करें और यहां के अद्भुत व्यू का आनंद उठाएं। वारविक कासल, एवॉन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसे लैंडमार्क्स बिलकुल मिस नहीं करें। सबसे अच्छा खाना खाने के लिए ल्युमिएर, ग्रेप एस्केप और डिनर एट सिक्स जाएं। इस जगह की हरियाली आपके अंदर के नेचर लवर को बाहर निकाल कर ले आएगी। यहां के पार्क में एक रोमांटिक पिकनिक करें। ये आपकी यादों में हमेशा बनी रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

एपीएस मीरां साहिब के छात्र स्काउटिंग और गाइडिंग में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए राज्य पुरस्कार से सम्मानित

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। एपीएस मीरां साहिब ने अपने स्काउट्स और गाइड्स की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाया यही जिन्हें उनके असाधारण समर्पण, नेतृत्व और सामुदायिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया। कन्वेंशन हॉल में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह में छह छात्रों को लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा द्वारा प्रतिष्ठित राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार पाने वालों में स्काउट्स आदित्य कुमार, मनप्रीत सिंह और वंश कुमार के साथ-साथ गाइड्स माही मन्हास, सानिया राजपूत और जानवी शामिल थे जिन्होंने सामुदायिक सेवा, साहसिक गतिविधियों और नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्काउट्स और गाइड्स के मूल मूल्यों- टीम वर्क, जिम्मेदारी और सेवा- के प्रति उनके समर्पण ने उन्हें सम्मान के प्रतीक के रूप में सम्मान और प्रमाण पत्र प्रदान किए। सायर राजावत ने छात्रों के कौशल को आकार देने और उन्हें इस यात्रा पर मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस समारोह में कई गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया जिनमें युवा सेवा एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी, जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय आयुक्त विंग कमांडर एम.एम. जोशी और युवा सेवा एवं खेल के महानिदेशक राजिंदर सिंह तारा शामिल थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के प्रशासक, गाइड कैप्टन, प्रशिक्षक, प्रिंसिपल, शिक्षक और छात्र मौजूद थे, जिन्होंने छात्रों की लगन और कड़ी मेहनत की सराहना की। छात्रों के साथ एपीएस मीरां साहिब की प्रिंसिपल रितु शर्मा, स्काउट मास्टर सुरेश कुमार और गाइड टीचर उपनीत कौर भी मौजूद थीं।

महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान आयोजित किया

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। शुक्रवार को सीनियर सेकेंडरी स्कूल परोर गुजरान में महिला सशक्तिकरण पर एक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया जिसका उद्देश्य युवा महिलाओं को उनके उत्थान और सशक्तिकरण के लिए बनाई गई विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में शिक्षित और सूचित करना था। सत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि महिलाओं को सशक्त बनाना एक मजबूत और अधिक प्रगतिशील समाज के लिए आवश्यक है। व्याख्यान में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई कई प्रमुख महिला-केंद्रित पहलों पर प्रकाश डाला गया जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति, महिला समाख्या, राष्ट्रीय महिला आयोग, बालिका समृद्धि योजना, सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय महिला कोष शामिल हैं। इसके अतिरिक्त छात्राओं को सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में महिलाओं के लिए उपलब्ध करियर के अवसरों के बारे में जागरूक किया गया।

सीयू जम्मू ने स्कूली शिक्षा और एनईपी 2020 पर पैनल चर्चा का आयोजन किया

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के शैक्षिक अध्ययन विभाग ने अपने शैक्षणिक मंच थर्स्डे माइंड मीट के तहत एनईपी 2020 के आलोक में जम्मू और कश्मीर में स्कूली शिक्षा पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। पंडित मालवीय शिक्षा भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन सीयू जम्मू के कुलपति प्रोफेसर संजीव जैन के संरक्षण में किया गया।

प्रो. जैन ने आलोचनात्मक सोच और बौद्धिक विमर्श को बढ़ावा देने के लिए आयोजकों के प्रयासों की प्रशंसा की। पैनल में कुंदन लाल डोगरा (प्रधानाचार्य, एम.वी. इंटरनेशनल स्कूल), मिस शिफाली गुप्ता (सदस्य, एनईपी 2020 के लिए राज्य कार्यान्वयन समिति), और प्रो. वंदना शर्मा (संयोजक, गुरुवार माइंड मीट) के साथ-साथ संकाय सदस्य, विद्वान और छात्र शामिल थे।

चर्चाओं में शिक्षा में बहु-विषयक से पार-विषयक दृष्टिकोण में बदलाव, शिक्षण में एआई की भूमिका और एनईपी 2020 के तहत समग्र विकास के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रो. जे.एन. बलिया ने सत्र की शुरुआत की जिसमें उन्होंने विकसित हो रही शिक्षा प्रणाली में लचीलेपन और समावेशिता पर जोर दिया। छात्र पैनलिस्टों ने बचपन की शिक्षा और कौशल विकास पर भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन छात्र कल्याण की डीन प्रो. रितु बख्शी की टिप्पणियों के साथ हुआ जिन्होंने अकादमिक दृष्टिकोण को समृद्ध करने पर सत्र के प्रभाव की सराहना की।

मूवमेंट कल्कि का आंदोलन 117वें दिन भी जारी

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। मूवमेंट कल्कि द्वारा गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने और कठोर गौ रक्षा कानून बनाने की मांग को लेकर चल रहा ऐतिहासिक आंदोलन 117वें दिन भी जारी रहा। आज दिव्या समाज निर्माण समिति के ऑल इंडिया प्रधान स्वामी दिव्यानंद जी महाराज, विश्व हिंदू महासभा के स्टेट प्रेसिडेंट नरेंद्र सिंह और सिख समुदाय के एडवोकेट हरमीत सिंह अपने सहयोगियों के साथ इस आंदोलन को पूरा समर्थन देने पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर को तत्काल राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर को तत्काल राज्य का दर्जा बहाल करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि केवल एक लोकप्रिय निर्वाचित सरकार ही क्षेत्र में शांति, समृद्धि और समग्र विकास सुनिश्चित कर सकती है। शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं को केवल पूर्ण प्रशासनिक और विधायी नियंत्रण वाली पूरी तरह से सशक्त राज्य सरकार के माध्यम से ही पूरा किया जा सकता है। उन्होंने वर्तमान शासन संरचना की आलोचना करते हुए कहा कि पूर्ण राज्य का दर्जा न होने से वर्तमान प्रशासन अक्षम हो गया है, वह स्वतंत्र रूप से काम करने और जनता की शिकायतों को प्रभावी ढंग से दूर करने में असमर्थ है।

सीमावर्ती क्षेत्र में नाले का निर्माण कार्य करने का किसानों ने किया विरोध

आर.एस. पुरा, 14 फरवरी (हि.स.)। आर.एस.पुरा के सीमावर्ती इलाके के दर्जनों गांव के किसानों ने वन्य जीव संरक्षण विभाग द्वारा नाले के निर्माण कार्य के कारण फसल को हो रहे नुकसान को लेकर शुक्रवार को जोरदार तरीके के साथ प्रदर्शन किया और मांग करते हुए कहा कि इस नाले के

निर्माण कार्य को बंद किया जाना चाहिए या फिर पानी की निकासी के लिए उचित प्रबंध किया जाना चाहिए।

गांव घराना, घरानी, कपूरपुर, गुलाबगढ़ बस्ती आदि इलाके के किसान महात्मा गांधी पार्क में एकत्रित हुए और उसके उपरांत उन्होंने एसडीएम कार्यालय के बाहर जोरदार तरीके के साथ प्रदर्शन किया। किसानों का कहना था कि पहले ही पाकिस्तान द्वारा बांध बनाए जाने के चलते पानी की निकासी का प्रबंध बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर नाले का निर्माण हो रहा था तो पानी की निकासी के लिए भी कोई प्रबंध किया जाना चाहिए ताकि फसल बबार्द न हो।किसानों का कहना था कि सैकड़ों एकड़ भूमि पर पानी जमा होने के कारण फसल को नुक्सान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि पहले जब बाढ़ आई थी तो सारा पानी पाकिस्तान की तरफ चला जाता था लेकिन अब सुरक्षा बांध का निर्माण कार्य होने से पानी फसलों में जमा हो जाता है जिस कारण फसल बर्बाद हो जाती है। इस मौके पर ग्रामीणों ने तहसीलदार आर.एस. पुरा को ज्ञापन पत्र सौंपा। प्रदर्शन के दौरान जिला विकास परिषद सदस्य तरनजीत सिंह टोनी, किसान नेता चौधरी सरवन सिंह, मित्तल चौधरी सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

रुद्राक्ष सेवा संगठन ने शहीदी दिवस पर पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि दी

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। रुद्राक्ष सेवा संगठन ने शुक्रवार को वर्ष 2019 में इसी दिन पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के 40 वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि देने के लिए एक गंभीर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। श्रद्धांजलि समारोह के दौरान रुद्राक्ष के निदेशक वीरेंद्र गुप्ता ने मोहित शर्मा, शक्ति शर्मा, वरुण पाधा, पुलिस चौकी प्रभारी बावे लेखराज, अजय शर्मा और अमित मगोत्रा के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि दी और देश के लिए उनके अद्वितीय बलिदान को याद किया। वीरेंद्र गुप्ता ने उपस्थित लोगों की सामूहिक भावना को दोहराते हुए कहा आने वाली पीढ़ियां उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके अटूट समर्पण को कभी नहीं भूल पाएंगी। उन्होंने फिर से पुष्टि की कि भारत इन बहादुर सीआरपीएफ कर्मियों और उनके परिवारों के सर्वोच्च बलिदान का हमेशा सम्मान करेगा। कार्यक्रम में रुद्राक्ष के निदेशक मोहित शर्मा, डॉ. वरुण पाधा, शक्ति सिंह और पूरी टीम मौजूद थी जिन्होंने शहीदों को याद करते हुए एकजुटता दिखाई। उपस्थित लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ देश की अटूट भावना को दोहराया और शहीदों की विरासत को कायम रखने की कसम खाई।

'भाजपा की जिला बॉर्डर इकाई की तरफ से जल्द किया जाएगा मंडल इकाइयों का विस्तार'

आरएस पुरा, 14 फरवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की जिला बॉर्डर इकाई की तरफ से शुक्रवार को गांव कुलिया में बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी ने की जबकि बैठक के दौरान भाजपा विधायक राजीव भगत, प्रोफेसर घारू राम भगत, जिला विकास परिषद सदस्य धर्मेंद्र कुमार, सुरेखा भगत के साथ-साथ पार्टी के मंडल अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक करने का मकसद पार्टी की तरफ से मंडल स्तर पर इकाई का विस्तार करने को लेकर चर्चा करना था। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से मंडल अध्यक्षों को नियुक्त किया जा चुका है और अब 15 फरवरी तक मंडल इकाई का विस्तार किया जाना है। ऐसे में पार्टी का प्रयास है कि ऐसे लोगों को मंडल इकाई में जगह दी जाए जो पार्टी को अधिक समय देकर पार्टी की मजबूती के लिए काम कर सकें।

रोमियो फोर्स ने बुजुर्ग महिला की जान बचाई

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। भारतीय सेना की रोमियो फोर्स की एक मेडिकल पेट्रोल यूनिट ने त्वरित प्रतिक्रिया और पेशेवराना अंदाज में पुंछ के अपर कुनियान की निवासी 70 वर्षीय शरीफा बी को सफलतापूर्वक निकाला। उन्हें अचानक लकवा जैसा दौरा पड़ा था। यह घटना उस समय हुई जब सेना की टीम क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही थी। तेजी से काम करते हुए मेडिकल पेट्रोल टीम की नर्सिंग सहायक ने गंभीर प्राथमिक उपचार प्रदान किया, बुजुर्ग महिला को स्थिर किया और सुनिश्चित किया कि आगे कोई जटिलता न हो। असाधारण टीमवर्क का प्रदर्शन करते हुए यूनिट ने सावधानीपूर्वक उन्हें एक अस्थायी स्ट्रेचर पर उठाया और उन्हें निकटतम सड़क पर ले जाया गया जहां से उन्हें एम्बुलेंस द्वारा तुरंत एफआईडीए मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि अब उनकी हालत स्थिर है और उन्हें आगे की चिकित्सा सुविधा दी जा रही है।

आभार व्यक्त करते हुए उनके पति मोहम्मद सादिक ने सेना के समय पर हस्तक्षेप की प्रशंसा करते हुए कहा हम भारतीय सेना की त्वरित और पेशेवर प्रतिक्रिया के लिए वास्तव में आभारी हैं। उन्होंने मेरी पत्नी को एक महत्वपूर्ण क्षण में वह देखभाल प्रदान की जिसकी उसे आवश्यकता थी। हमारा परिवार हमेशा उनका आभारी रहेगा। क्षेत्र के सरपंच ने भी सेना की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा राष्ट्रीय राइफल्स इकाई ने तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने में उत्कृष्ट कार्य किया है। हमारे समुदाय की भलाई के लिए उनका समर्पण सराहनीय है।

चेनाब घाटी विद्युत परियोजनाओं में उल्लंघन का आरोप लगाया, जांच की मांग

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और चेनाब घाटी क्षेत्र के प्रवक्ता अजीत भगत ने चेनाब घाटी विद्युत परियोजनाओं (सीवीपीपी) में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का दावा करते हुए इसकी गहन जांच की मांग की है। उन्होंने जलविद्युत परियोजनाओं में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और इस क्षेत्र में पिछले दरवाजे से नियुक्तियां करने का आरोप लगाया है।

क्षेत्र में व्याप्त बेरोजगारी पर चिंता जताते हुए भगत ने कहा कि किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिलों में कई जलविद्युत परियोजनाओं के बावजूद स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 से पहले बड़ी संख्या में युवा दुल-हस्ती और बगलिहार जलविद्युत परियोजनाओं में लगे हुए थे लेकिन हाल के वर्षों में यह प्रवृत्ति काफी बदल गई है।

उन्होंने बताया कि चार प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं- पाकल-डूल, किरू, कवार और रतले- वर्तमान में प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा निष्पादित की जा रही हैं, लेकिन उन्होंने कम श्रमिकों को काम पर रखा है जिससे चिनाब घाटी में बेरोजगार युवाओं में अशांति है। भगत ने सीवीपीपी के प्रबंधन पर जानबूझकर जनशक्ति को कम करके रोजगार पर लाभ को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि सीवीपीपी के अधिकारी भ्रष्टाचार और गलत कामों को छिपाने के लिए परियोजना प्रबंधन से भारी कमीशन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और अधिकारियों से इन बिजली परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं के लिए उचित रोजगार नीतियां सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

सीमा सुरक्षा बल द्वारा नशा मुक्ति अभियान का आयोजन

सांबा, 14 फरवरी (हि.स.)। सांबा जिला के सीमांत क्षेत्र राजपुरा में शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल की 82वीं वाहिनी द्वारा बीओपी मंगूचक के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजपुरा में सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत नशा मुक्ति अभियान का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सीमा सुरक्ष बल की 82वीं वांहिनी के कमांडेंट ब्रजेश कुमार यादव ने की जिसमें एनसीबी जम्मू के सहायक निदेशक हरीश कुमार, सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजपुरा की उप-प्रधानाचार्य डॉ. सोनिया चौधरी, शिक्षकों और 125 से अधिक छात्रों की विशिष्ट उपस्थिति थी। सीमावर्ती गांवों के सैकड़ों नागरिकों ने भी नशे के खिलाफ इस सामाजिक अभियान में भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और आम जनता को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना था।

जम्मू में भक्तों ने पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए मातृ पितृ पूजन मनाया

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। अखिल भारतीय धर्म प्रचार सेवा समिति के बैनर तले सनातन धर्म के भक्तों ने भगवान गणेश का संदेश फैलाने के लिए जम्मू शहर के विभिन्न हिस्सों में 14 फरवरी को मातृ पितृ पूजन के रूप में मनाया। मंदिरों के शहर में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया जिसमें स्वामी परमेश्वरानंद जी महाराज, मुख्य अतिथि श्री सुदर्शन दास जी महाराज और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और सरस्वती पूजन से हुई जिसके बाद संतों ने माता-पिता के सम्मान के महत्व पर जोर देते हुए प्रवचन दिए। विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने इस समारोह में भाग लिया और वैदिक परंपराओं के अनुसार अपने माता-पिता की पूजा की। इस अवसर पर बोलते हुए स्वामी परमेश्वरानंद जी ने वेलेंटाइन डे जैसी पश्चिमी प्रथाओं के प्रभाव की आलोचना करते हुए कहा कि ये युवा पीढ़ी को गुमराह करती हैं। प्रचार प्रमुख रमन शर्मा ने माता-पिता और बच्चों के बीच बढ़ते अलगाव पर प्रकाश डाला और पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया।

संत श्री आशाराम बापू जी की दशकों पुरानी पहल से प्रेरित इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करना और पश्चिमी उत्सवों की बढ़ती प्रवृत्ति का मुकाबला करना था। समारोह का समापन बच्चों द्वारा अपने माता-पिता को तिलक लगाने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ हुआ, जिससे माता-पिता और बच्चों के बीच पवित्र रिश्ते को मजबूती मिली।

जीजीएम साइंस कॉलेज ने पैलियोलोक्सोडोन जीवाश्म खोज पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू के भूविज्ञान विभाग के पीजी विभाग ने पैलियोलोक्सोडोन जीवाश्म की हाल की खोज और कश्मीर में मानव सभ्यता की प्राचीनता को समझने के लिए इसके महत्वपूर्ण निहितार्थों पर प्रकाश डालते हुए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को इस क्षेत्र में प्रारंभिक मानव बस्तियों और प्रागैतिहासिक वातावरण के पुनर्निर्माण में इस खोज के महत्व के बारे में शिक्षित करना था।

इस कार्यक्रम में 100 से अधिक स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिसमें जम्मू विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध भूविज्ञानी प्रोफेसर जीएम भट मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत भूविज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. मतीन हाफिज के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई जिन्होंने कश्मीर में प्रागैतिहासिक जीवन की हमारी समझ को गहरा करने में इस तरह के निष्कर्षों के महत्व पर जोर दिया। इस तरह की अकादमिक पहल को सुविधाजनक बनाने में उनके अटूट समर्थन के लिए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता की विशेष सराहना की गई।

अपने व्यावहारिक व्याख्यान में प्रो. जीएम भट ने कहा कि इस तरह की खोज कश्मीर में प्रागैतिहासिक जीवन की हमारी समझ को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भट्ट ने पैलियोलोक्सोडोन जीवाश्म के भूवैज्ञानिक और पुरापाषाणकालीन पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की तथा हाथी प्रजातियों के बीच एक गुम कड़ी के रूप में इसकी भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने जीवाश्म के साथ पाए गए पत्थर के औजारों पर भी चर्चा की जिससे यह संभावना जताई गई कि प्रारंभिक मनुष्यों ने इन प्रागैतिहासिक हाथियों को काटा होगा। प्रो. भट्ट ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इस तरह की खोजें मानव प्रवास, अनुकूलन और प्रागैतिहासिक वातावरण के साथ अंत:क्रिया में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

पानी की समस्या को प्रमुखता से उठाया

जम्मू, 14 फ़रवरी (हि.स.)। चिनैनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने शुक्रवार को सिविल सचिवालय जम्मू में जल शक्ति, वन विभाग एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने क्षेत्र में पीने के पानी की गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाया। मनकोटिया ने बताया कि वन क्लीयरेंस में देरी के कारण कई पेयजल परियोजनाएं लंबित पड़ी हैं जिससे क्षेत्रवासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मंत्री से अनुरोध किया कि इन अनुमतियों को शीघ्र स्वीकृत किया जाए जिससे लोगों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके।

मंत्री जावेद अहमद राणा ने आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे और लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा होगा। उन्होंने इस समस्या की गंभीरता को स्वीकारते हुए जल्द समाधान के लिए प्रतिबद्धता जताई। विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने कहा कि वे जनता की समस्याओं को हल करने और क्षेत्र में विकास कार्यों को सुचारू रूप से लागू करने के लिए पूरी तरह प्रयासरत रहेंगे।

Government of Jammu & Kashmir
Department of Animal Husbandry, Jammu
E-mail: director-ahdj@jk.gov.in Ph.0191-2505552,2505247,2502252(Fax)GolePully, TalabTilloo, Jammu -180002

Sub:-Cancellation of appointment as "Driver" in Animal Husbandry Department, Jammu.

ORDER:- 41 - DAHJ of 2025
DATED:- 13 - 02-2025

Whereas, on the recommendation of Jammu & Kashmir Service Selection Board conveyed vide communication No:- JKSSB-Scry/4/2024-03(E-7411217) dated:- 30.05.2024, pursuant to Administrative Department's communication No:- ASHF/AH0NGAZ/29/2024 (C.No.222528) dated:- 25.06.2024 and on the basis of the Character & Antecedents report received from the Criminal Investigation Department, J&K, Sh. Abid Hussain Malla S/o Mohammad Hayat Malla R/o H.No: 80, Mukdam Mohalla, Zalpora, Sonawari, Bandipora was appointed as Driver, Division Cadre-Jammu, under OM Category, vide this office Order No:- 365-DAHJ of 2024 dated:- 23.11.2024; and

Whereas,Sh. Abid Hussain Malla was supposed to report to Directorate of Animal Husbandry, Jammu within the stipulated period of twenty one (21) days from the date of issuance of appointment order; and

Whereas,Sh. Abid Hussain Malla failed to report/join in the Directorate of Animal Husbandry, Jammu within the stipulated period of twenty one (21) days; and

Whereas, through a Notice No:-DAHJ/Adm-107/2024-05/9279-82 dated:- 30.12.2024 published in Hind Samachar dated:- 01.01.2025 at Page No:- 05, the appointee was again directed to report to Directorate of Animal Husbandry, Jammu within seven (07) days from the date of issuance of the notice, failing which his appointment order will be cancelled ab-initio; and

Whereas, again appointee has failed to report/join in the Directorate of Animal Husbandry, Jammu within the stipulated period of seven (07) days.

Now, therefore, appointment of Sh. Abid Hussain Malla S/o Mohammad Hayat Malla R/o H.No: 80, Mukdam Mohalla, Zalpora, Sonawari, Bandipora as Driver, Division Cadre-Jammu, under OM Category, in Animal Husbandry Department, Jammu issued vide Order No:- 365-DAHJ of 2024 dated:- 23.11.2024 is hereby cancelled ab-initio.

No:- DAHJ/Adm-107/2024-05
Dated:- 13.02.2025

Sd/-
(Dr. Davinder Kumar)
Director,
Animal Husbandry Deptt.,
Jammu.

DIP/J-10148/24
Dtd:14-2-2025

संपादकीय

निषेध की नशीले पदार्थों से तुलना नहीं !

यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि ऐसे समय में जब नवीनतम घटनाओं से अवगत रहना सुशासन सुनिश्चित करने के लिए आधारशिला है, जम्मू-कश्मीर में सरकार चलाने वाले लोग इस क्षेत्र में नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए बनाए गए महत्वपूर्ण अधिनियमों में से एक से अनभिज्ञ प्रतीत होते हैं।

इस संबंध में, क्षेत्र में नशीली दवाओं के निषेध के बारे में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी द्वारा हाल ही में दिया गया बयान इस मुद्दे के बारे में राजनीतिक नेतृत्व की समझ में एक परेशान करने वाली कमी को उजागर करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न दलों के तीन विधायकों द्वारा जम्मू-कश्मीर में शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में, उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि न केवल शराब, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश में नशीली दवाओं पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

यह चौंकाने वाली बात है कि सरकार में इतने जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति ने मादक द्रव्यों के सेवन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी अज्ञानता को उजागर करते हुए कुछ ऐसा कहा है, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश में मादक द्रव्यों और मनोविकार नाशक पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने के उनके आह्वान से इस मुद्दे पर उनकी अज्ञानता का पता चलता है, क्योंकि ये मादक द्रव्य न केवल जम्मू-कश्मीर में बल्कि पूरे देश में पहले से ही प्रतिबंधित हैं। बेहतर होता कि दूसरे नंबर के अधिकारी को शराबबंदी के मुद्दे पर ही बात करनी चाहिए, न कि ऐसे मुद्दे पर, जिसके बारे में उन्हें जानकारी ही नहीं है।

यह उल्लेख करना उचित है कि मुश्किल से एक महीना बीता है, जब जम्मू-कश्मीर में चार विशेष अदालतें स्थापित करने की खबर मीडिया में आई थी, जो विशेष रूप से नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएसए) के तहत दर्ज मामलों से निपटने के लिए बनाई गई हैं।

यह बताया गया कि विधि, न्याय और संसदीय कार्य विभाग जल्द ही उच्च न्यायालय के परामर्श से उन जिलों की पहचान करेगा, जहां ये अदालतें काम करेंगी, जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि जम्मू-कश्मीर में मादक द्रव्यों पर बिना किसी अस्पष्टता के प्रतिबंध है। यह बहुत बेहतर होता यदि उपमुख्यमंत्री ने संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों से यूटी में नशीली दवाओं के निषेध के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कहा होता, बजाय इसके कि वे इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते कुल मिलाकर, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985, जो कि कानून का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, ने लंबे समय से अवैध दवाओं के उत्पादन, वितरण और खपत को अपराध घोषित कर दिया है, इसलिए यूटी में राजनीतिक वर्ग, विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र से संबंधित लोगों को उन मुद्दों की पेचीदगियों के साथ अधिक गहराई से जुड़ना चाहिए, जिन्हें वे संबोधित करने का दावा करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनके कार्य तथ्यों और कानून की समझ पर आधारित हों।

सौंदर्य की अनुभूति में तादात्म्य पहली शर्त

अरुण कुमार दीक्षित

सौंदर्य आनंदित करता है। भारतीय दर्शन सौंदर्य को शब्दातीत मानता है। रामायण में सौंदर्य शब्द के स्थान पर रमणीय, शोभन और चारु शब्द आए हैं। वैदिक साहित्य में मनुष्य का मन सहज प्रकृति के दिव्य रूपों में रमण करता है। वैदिक कालीन अनुभूति प्रतीति को सौंदर्य कह सकते हैं। जब हम आनंद मगन हों तब सौंदर्य घटित होता है। जब सूर्य की अरुणाभा के दर्शन होते हैं तब सौंदर्य ही है। जब पक्षियों का कलरव ब्रह्म मुहूर्त में छंद बन जाए तब सौंदर्य समझो। जब आकाश गंगा रात्रि में जगमग उदीप्त दिखे तो सौंदर्य ही होता है। जब नदियां-झरने गीत गाते आगे बढ़ रहे हो तब वह सौंदर्य ही प्रवाहित होता है। जब अथाह जलराशि पर शुभ्र ज्योत्स्ना नर्तन में हो सौंदर्य है। नदी समुद्र में जब लहरें उफान मारती मचलती हैं तब सौंदर्य है। जब फूल खिलते हैं, सौंदर्य ही है। जब अनायास कोई गीत आपके हृदय में उमड़ आए तब वह ऋचा रूप सौंदर्य है। पूर्णिमा और अमावस्या दोनों सौंदर्य हैं। एक तमस का सौंदर्य तो दूसरा दीप्ति का सौंदर्य है। ऋतुराज बसन्त ऋतुओं का सौंदर्य है।

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के शब्दों में सौंदर्य हमारी धारणा में निहित है। वह कहते हैं- सौंदर्य की विकृत अभिव्यक्ति ही कुरूपता है। कला आत्मविस्मृत आनंद से पोषित होती है। सौंदर्य अनुभूति, भावना कल्पना, संपूर्णता, कला और सौंदर्य शास्त्र की मूल अवधारणाएं हैं। वे न केवल कला को परिभाषित करते हैं, कला और सौंदर्य को जोड़ते भी हैं। कला मानवीय भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

यूनानी दार्शनिक अरस्तू का कहना है कि सुंदरता को मापा जा सकता है। सुंदरता के लिए व्यवस्था समरूपता और निश्चितता प्रमुख है। सुंदर शरीर के रूप को परिभाषित किया है। सुंदरता के लिए गणितीय विज्ञान का भी उपयोग किया। उसका मानना था कला प्रकृति की नकल करती है। अरस्तू ने सौंदर्य के साथ राजनीति और तत्व मीमांसा पर भी कई रचनाएं लिखी है। सौंदर्य मूल्य और कला के बारे में दार्शनिक जांच है। सौंदर्य बोध की प्रथम यात्रा है। सुंदरता नैतिक या शारीरिक आंतरिक सौंदर्य के रूप में व्यक्ति परक है।

श्रीमद्भागवद गीता में सौंदर्य को सत्य कहा गया है। सांसारिक सौंदर्य कृष्ण के सर्वोच्च सौंदर्य की एक झलक है, आभा है। कृष्ण परम सत्य की अभिव्यक्ति हैं। दसवें अध्याय का 41वां श्लोक।

रामचरितमानस के बालकांड में तुलसीदास ने राम के सौंदर्य पर लिखा है। उनके (राम) नील कमल और गम्भीर (जल से भरे हुए) मेघ के समान श्याम शरीर मे करोड़ों कामदेवों की शोभा है। लाल-लाल चरण कमल के नखों की (शुभ्र) ज्योति ऐसी मालूम होती है जैसे कमल के पत्तों पर मोती स्थिर हो गए हों। (पृष्ठ 182 बालकांड)।

कालिदास ने मेघदूत में कई प्रकार के सौंदर्य का वर्णन किया है। नदी, पर्वत, वन, मेघ, पुष्पों और पक्षियों के सौंदर्य को अद्वितीय ढंग दिया है। यक्ष की कथा में अभूतपूर्व सौंदर्य की झलक है।

सौंदर्य प्रसाधन का करोड़ों का कारोबार है। सुंदर दिखने की होड़ है। टीवी-सोशल मीडिया पर सुंदर दिखने और बनने के लाखों तरीके बताए दिखाए जा रहे हैं। नकली पलकें हैं। आंखों के बदलते रंग हैं, रंगों भीतर भी कई रंग हैं। नकली बालों को लगाने और रंगने का चलन बढ़ा है। पहले महिलाओं के लिए साज-सज्जा केन्द्र आये। अब पुरुषों के पार्लर बढ़े हैं। सौंदर्य प्रसाधन क्षेत्र में देशी-विदेशी कम्पनियों का भारी मुनाफा है। बात यहीं समाप्त नहीं होती। शरीर को काट कर सुंदर दिखने का चलन यूरोप की तर्ज पर बढ़ा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में प्लास्टिक सर्जरी की मांग बढ़ी है। विज्ञापनों की भरमार है। अन्तस् का सौंदर्य बाजार में नहीं मिलता।

सौंदर्य की अनुभूति में तादात्म्य (एम्पथी) पहली शर्त है। जब हम प्राकृतिक दृश्यों को देखते हैं तो केवल स्वयं एक सुखद अनुभूति में होते हैं। हम बगल में बैठे व्यक्ति का ध्यान सुंदर दृश्य की ओर खींचते हैं कि वह भी सौंदर्य का आनंद ले। सौंदर्य का व्यावहारिक पक्ष यही है कि प्रत्येक व्यक्ति सुंदर वस्तुओं से आकर्षित होता है। चाहे हंसता गुलाब, जूही-चम्पा, लीली और उस पर मंडराती तितलियां, रंगबिरंगी चिड़िया भौरें हों। मनोरम घाटियां, जगमग सितारे, भव्य पूर्णिमा के चांद का सौंदर्य आकर्षित करता हैं। प्रत्येक सुंदर वस्तु के दो पक्ष होते हैं- जड़ और चेतन। इंद्रियों से समझा जाने वाला रूप आकार और उसके माध्यम से अभिव्यक्त विचार, सौंदर्य अनुभूति, कला सृजन परस्पर संबंधित हैं। सौंदर्य शास्त्र का एक विषय के रूप में अध्ययन (स्टेथिक्स) कहलाता है। इसे स्वतंत्र विषय बनाने वाला 18वीं सदी का जर्मन दार्शनिक बामगार्टन था। भारत में सौंदर्य रस रूप में देखा गया है।

सौंदर्य अनुभूति का सबसे सशक्त स्थल भरत मुनि ने रंगमंच को माना है, जहां प्रत्येक प्रेक्षक भाव विभोर होकर रस अनुभूति करता है। जिन चीजों में आनंद आता है उन सुंदर चीजों को देखकर हृदय बार- बार उसी ओर आकर्षित हो जाता है। उसकी छाया पीछा करती है। गीत फूटने लगते हैं। यह भौतिक आनंद क्षणिक होता है। सौंदर्य विषय पर प्राचीनकाल से चिंतन मंथन है। कला शरीर है। सौंदर्य उसकी आत्मा है। सच्ची कला सौंदर्य का ही मूर्ति रूप होती है। कला बिना पढ़े समझ में आती है

प्राचीनकाल में मानव ने पर्वतों की गुफाओं में पशुओं सहित भिन्न प्रकार के चित्र उकेरे हैं। यह चित्र हमें उस पाषाण, पुरापाषाण काल की सूचनाएं देते हैं कि तब का मानव कैसा था। चित्र भाषा, मानव आत्मा की भाषा है। सौंदर्य का अस्तित्व भी इसलिए है कि दुनिया में कुरूपता भी है। यही कारण है कि सौंदर्य कुरूपता का परिष्कृत रूप है। गुण की पहचान अवगुण है। विशेष कर पश्चिमी देशों में सौंदर्य की प्रतियोगिताएं होती हैं। विश्व सुंदरी के चुनाव के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता होती है। ऊपर से कुरूप व्यक्ति तब सुंदर दिखाई देगा जब उसके कार्यों में शुभता और लोकमंगल हो। सौंदर्य अनुभूति अन्य अनुभूतियों से भिन्न है।

आंतरिक आनंद की भावना इस अनुभूति में बड़ी होती है। सौंदर्य की प्रशंसा और सम्मोहन इसका चरित्र है। सौंदर्य की अनुभूति को अंग्रेजी में (एम्पथी) कहते हैं यह आवश्यक शर्त है। तादात्म्य के अभाव में सौंदर्य को पूरा का पूरा अनुभव नहीं किया जा सकता। गायक कुछ गा रहा है। एक चित्रकार चित्र बना रहा है। अभिनेता अभिनय कर रहा है जो उसके साथ एकात्म हो जाए तभी वह उसके भीतर सौंदर्य की अनुभूति कर सकता है। दुनियाभर में सौंदर्य के प्रति विशेष दृष्टिकोण है। प्रत्येक व्यक्ति का अलग विचार है। आदर्शवादी सौंदर्य को केवल एक हृदय और मस्तिष्क से देखते हैं। वस्तुओं में नहीं। इसके विपरीत यथार्थवादी उसे वस्तुओं में निहित एक ठोस वास्तविकता मानते हैं। (पृष्ठ 27, 33 सौंदर्य पुस्तक डॉ0 राजेन्द्र वाजपेयी)

हम सब प्रथम सौंदर्य का दर्शन अपने अंतःकरण में हृदय और मानव चक्षुओं से करते हैं। सौंदर्य सापेक्ष होता है। किसी विशेष वस्तु के सौंदर्य के संबंध में कोई सर्वमान्य अधिकृत मत नहीं दिया जा सकता है। कला प्रकृति के सौंदर्य को प्रतिध्वनित करती है। समस्त कला में सौंदर्य तत्व और आनंद तत्व विद्यमान रहता है।

सुप्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक कांट ने सौंदर्य को कामना रहित आनंद बताया है। बौद्ध दर्शन में सौंदर्य दिव्य ज्योति और उवल प्रकाश कहा गया है। उसकी अनुभूति मानव को बोध होने पर होती है। भारत में सौंदर्य को मूलतः रस रूप देखा गया है। ऋग्वेद में सौंदर्य को श्रीनाम से कहा गया है। उपनिषदों में भी रस के व्यापक अर्थ हैं। भारत में रस सिद्धांत का श्रेय भरत मुनि को जाता है। वहीं, अभिनव गुप्त भारतीय सौंदर्य दर्शन के विशिष्ट प्रवर्तक माने जाते हैं। आयुर्वेद में रस रसायन के अर्थों में है। दार्शनिक आगस्टीन कहता है ब्यूटी इज यूनिटी संसार तत्वतः सुंदर है। वैदिक ऋषि सत्यम शिवम सुन्दरम का समन्वय सौंदर्य में देखते हैं। परम सत्ता के रूप में जानते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वैलेंटाइन डे: प्यार के उत्सव का नया बाजार

हर्षवर्धन पाण्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड हो गया है। आज जहां इजहार और इकरार करने के तौर-तरीके बदल गए हैं, वहीं इंटरनेट के मौजूदा दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। प्यार का यह उत्सव एक बड़े बाजार को गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। शहर से लेकर कस्बों तक यह तेजी से फैल चुका है।

वैलेंटाइन के सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की मानें तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते हैं लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्मगुरू थे।

उन दिनों वहां क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बचों की चिंता नहीं सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवकों के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया।

किन्दवंतियों की मानें तो संत वैलेंटाइन ने क्लाउडियस के इस फैसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक-युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फाँसी की सजा दे दी।

कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा वैलेंटाइन डे मनाते हैं । 1260 में संकलित की गई ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए।

कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाइयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरम्यान हो गई। इस पर नई मान्यता यह है कि ईसाइयों के प्रेम का प्रतीक मानें जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन। आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था तुम्हारा वेलेंटाइन। 14 फरवरी के बहाने इस संत के नाम पर पूरे विश्व में यह दिवस मनाया जाने लगा।

आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सिर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलकें बिछाये बैठे रहते हैं। इसे प्यार के इजहार का दिन बताते हैं लेकिन युवक-युवतियां प्यार की सही परिभाषा नहीं जान पाये हैं। वह इस बात को नहीं समझ पा रहे कि प्यार को आप एक दिन के लिए नहीं बांध सकते। वह तो प्यार को हंसी-मजाक का खेल समझ रहे हैं। आज का प्यार नूडल जैसा बाजारू बन गया है जो दो मिनट चलता है। आज के बाजार ने प्यार की परिभाषा बदल दी है। इसका प्रभाव यह है 14 फरवरी को प्रेम दिवस का रूप दे दिया गया है जिसके चलते संसार भर के कपल प्यार का इजहार करने को उत्सुक रहते हैं।

जहां चीन में यह दिन नाइट्स ऑफ सेवेन्स प्यार करने वालों के लिए खास होता है, वहीं जापान व कोरिया में इस पर्व को वाइट डे का नाम से जाना जाता है। इन देशों में इस दिन से पूरे एक महीने तक लोग अपने प्यार का इजहार करते हैं। आज 14 फरवरी का कितना महत्व बढ़ गया है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है इस अवसर पर बाजारों में खासी रौनक होती है। गिफ्ट सेंटर में उमड़ने वाली भीड़, चहल-पहल इस बात को बताने के लिए काफी है यह किस प्रकार युवाओं के दिलों में उतर चुका है।

यूं तो हमारी संस्कृति में प्रेम को परमात्मा का दूसरा रूप बताया गया है अतः प्रेम करना गुनाह और प्रेम का विरोधी होना सही नहीं होगा लेकिन वैलेंटाइन के नाम पर जिस तरह का पश्चिमपरस्ती का विस्तार हो रहा है वह सही नहीं है। वैसे भी यह प्रेम का तरीका भारतीय जीवन मूल्यों से मेल नहीं खाता। आज का वैलेंटाइन डे भारतीय काव्य शास्त्र में बताये गए मदनोत्सव का पश्चिमी संस्करण प्रतीत होता है। सवाल यह है कि क्या आप प्रेम जैसी चीज को एक दिन के लिए बांध सकते हैं? शायद नहीं। आज लोग प्यार के चक्कर में बर्बाद हो रहे हैं। हीर-रांझा, लैला-मजनूं, रोमियो-जूलियट के प्रसंगों का हवाला देने वाले हमारे आज के प्रेमी यह भूल जाते हैं कि मीरा वाला प्रेम सची आत्मा से सम्बन्ध रखता था। आज प्यार बाहरी आकर्षण की चीज बनती जा रही है। प्यार को गिफ्ट और पॉकेट में तौला जाने लगा है। वैलेंटाइन के प्रेम में फंसने वाले कुछ युवा सफल तो कुछ असफल साबित होते है। जो असफल हो गए तो समझो बर्बाद हो गए क्योंकि यह प्रेम रूपी बग बड़ा खतरनाक है। एक बार अगर इसकी जकड़ में आप आ गए तो भविष्य में भी पीछा नहीं छोड़ेगा।

वैलेंटाइन के नाम पर आज समाज में जिस तरह की उद्दंडता हो रही है, वह चिंतनीय है। संपन्न तबके साथ आज का मध्यम वर्ग और निम्न तबका इसके मकड़जाल में फंसकर अपना पैसा और समय दोनों खराब कर रहे हैं। आज वैलेंटाइन की स्टाइल बदल गई है। गुलाब गिफ्ट दिए, नशे में पार्टी में थिरके बिना काम नहीं चलता। यह मनाने के लिए आपकी जेब गर्म होनी चाहिए।

आज की युवा पीढ़ी को न तो प्रेम की गहराई का अहसास है न ही वह सचे प्रेम को परिभाषित कर सकती है। उनके लिए प्यार मौज-मस्ती और सैर-सपाटे का खेल बन गया है। जहाँ बाजार में प्यार नीलाम हो गया है और पूरे विश्व में इस दिन प्यार के नाम पर मुनाफे का बड़ा कारोबार किया जा रहा है ।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चेन्नई पर्यटन स्थल- दक्षिण भारत का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक हब

चेन्नई, जिसे पहले मद्रास के नाम से जाना जाता था, भारत के तमिलनाडु राज्य की राजधानी है और यह दक्षिण भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। चेन्नई की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थल, सुंदर समुद्र तट, और आधुनिक जीवनशैली इसे एक आकर्षक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यह शहर न केवल अपने व्यापारिक महत्त्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां के ऐतिहासिक मंदिरों, संगीत, नृत्य और काव्य कला के लिए भी प्रसिद्ध है। आइए जानते हैं चेन्नई के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

महाबलीपुरम, चेन्नई से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां के रॉक कट मंदिर, समुद्र तट और अद्भुत वास्तुकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। विशेष रूप से पंच रथ और अरजुन की तपस्या जैसे स्थल यहाँ की ऐतिहासिक धरोहर को उजागर करते हैं।

चेन्नई में स्थित कापालेश्वर मंदिर एक प्रमुख हिंदू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के आसपास का वातावरण भक्तों को शांति और ध्यान की अनुभूति कराता है। यह मंदिर चेन्नई के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है।

सेंट थॉमस चर्च, जो चेन्नई के सेंट थॉमस माउंट पर स्थित है, एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह चर्च ईसाई धर्म के एक प्रमुख स्थल के रूप में पहचाना जाता है, क्योंकि कहा जाता है कि यहां सेंट थॉमस की ममी दफनाई गई थी। यहां का शांत वातावरण और ऐतिहासिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

विवेकानंद हाउस, जो चेन्नई के समुद्र तट के पास स्थित है, स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान को समर्पित एक संग्रहालय है। यहां आप स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं और उनके कार्यों के बारे में जान सकते हैं। यह स्थान उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय संतों और उनके विचारों के बारे में अधिक जानना चाहते हैं।

अन्ना सलाई, जिसे मार्सल रोड भी कहा जाता है, चेन्नई का एक प्रमुख वाणिज्यिक क्षेत्र है। यहां पर विभिन्न व्यापारिक केंद्र, शॉपिंग मॉल्स, रेस्टोरेंट्स और कैफे हैं, जो इसे शॉपिंग और खाने-पीने के शौकिनों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। यह क्षेत्र चेन्नई की आधुनिक जीवनशैली को दर्शाता है।

चेन्नई के समुद्र तटों में एक प्रमुख नाम ईक्विनॉक्स बीच का है। यह बीच पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है क्योंकि यहाँ पर शांति और सुकून का अनुभव होता है। सुबह और शाम के समय समुद्र के पास घूमना या बैठना एक अद्भुत अनुभव होता है। यहां का वातावरण स्वच्छ और शांतिपूर्ण होता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

यदि आप प्रकृति से जुड़ना चाहते हैं, तो वेलाचेरी झील एक बेहतरीन स्थल है। यह एक शांत और सुंदर झील है, जहाँ आप पैदल चलने, बोटिंग करने या सिर्फ दृश्य का आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। यह स्थल शहर के शोर-शराबे से दूर आराम और सुकून का अनुभव प्रदान करता है।

मरीना बीच, चेन्नई का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है और यह भारत का दूसरा सबसे लंबा समुद्र तट है। यहां पर घूमने का अनुभव बहुत ही अद्भुत होता है। खासकर सुबह और शाम के समय यहाँ की हवा और समुद्र का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है। यहाँ के किनारे पर चलना, सूर्योदय और सूर्यास्त का नज़ारा देखना एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।

चित्तारन मंदिर चेन्नई के पास स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। यह मंदिर अपनी अद्वितीय वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां भगवान शिव के नटराज रूप की पूजा की जाती है और यह स्थान भारतीय हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्रों में से एक है।

कांची काचीयमंगलम, जो चेन्नई से लगभग 70 किलोमीटर दूर है, तमिलनाडु का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहाँ के प्राचीन मंदिर और हस्तशिल्प उत्पादों के लिए कांची काचीयमंगलम प्रसिद्ध है। यह स्थल इतिहास और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श है।

चेन्नई एक विविधताओं से भरा हुआ शहर है, जहां पर सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों का एक बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। यहां का प्रत्येक स्थल अपनी अलग पहचान और आकर्षण से भरपूर है। चाहे आप धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए जाएं या समुद्र के किनारे शांति का अनुभव करना चाहें, चेन्नई हर प्रकार के पर्यटकों के लिए आदर्श गंतव्य है।

- प्रीटी

उप्र की करम को हराकर पंजाब की राउंड ग्लास पहुंची क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। राउंड ग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) ने 35वीं ऑल इंडिया केडी सिंह बाबू सब-जूनियर (अंडर-14) प्राइज़ मनी हॉकी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। दूसरी ओर, मेजबान टीम यूपी करम दूसरी लगातार हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई।केडी सिंह बाबू स्मारक सोसायटी के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के ध्यानचंद एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में आयोजित टूर्नामेंट में पूल ए से राउंडग्लास हॉकी अकादमी ने तीन जीत के साथ शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाई, जबकि फ्लिकर्स ब्रदर्स दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंची। पूल बी से नवल टाटा ओडिशा ने तीन जीत अर्जित की और मनमोहन सिंह अकादमी (हरियाणा) ने दो जीत के साथ अंतिम आठ में प्रवेश किया। नवल टाटा ओडिशा ने मेजबान यूपी करम को 7-0 से हराकर जोरदार जीत हासिल की। यूपी की टीम ने कड़ी मेहनत की, लेकिन गोल के मौके नहीं तलाश सकी। नवल टाटा ओडिशा के निर्मल मिंज ने छठवें, 33वें और 38वें मिनट में गोल दागे, वहीं रोशन मिंज (19वें मिनट), अभिनाश कुजूर (24वें मिनट), सी.रैंचोरिया (56वें मिनट) और अभिषेक सोरेंग (58वें मिनट) ने 1-1 गोल किए।

बाक्सिंग चैंपियनशिप : वाराणसी के सनी ने लखनऊ के उन्नत को दी मात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में लखनऊ मंडल के कृष्णा और यशदीप ने शानदार प्रदर्शन कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उनके अलावा वाराणसी के सनी, आगरा के लव, मुरादाबाद के तरुण, सहारनपुर के धीरज और अलीगढ़ के मोहित ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। यह चैंपियनशिप उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय और यूपी बॉक्सिंग एसोसिएशन के समन्वय से केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बाक्सिंग हाल में आयोजित की जा रही है। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि यूपी बॉक्सिंग एसोसिएशन के चेयरमैन नीरज सिंह व विशिष्ट अति

थ खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने बॉक्सिंग हॉल के बाहर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस मौके पर यूपी बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव प्रमोद कुमार, बॉक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष अतुल अग्निहोत्री, सचिव सहदेव सिंह, लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अनिमेष सक्सेना और ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव मिश्रा भी उपस्थित थे।

हरियाणा के खेल मंत्री ने 38वें राष्ट्रीय खेलों का किया दौरा, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

देहरादून। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, देहरादून में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने हरियाणा से भाग ले रहे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। खेल मंत्री ने विभिन्न खेल स्थलों का निरीक्षण किया, जिनमें भागीरथी हॉल भी शामिल था, जहां जिम्नास्टिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों से बातचीत कर उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की।गौतम ने कहा कि हरियाणा की समृद्ध खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सरकार हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा, हरियाणा के खिलाड़ी पहले से ही शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और राष्ट्रीय खेलों में भी बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हमारी खेल नीति ने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। सरकार उन्हें वित्तीय सहायता और रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है, ताकि वे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर सकें। गौतम ने उत्तराखंड सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड ने खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन सुविधाएं सुनिश्चित की हैं।

सेलेना और जैश ने जीते स्वर्ण पदक

देहरादून।38वें राष्ट्रीय खेल की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के आखिरी दिन शानदार मुकाबले देखने को मिले। महिला सिंगल्स के सेमी फाइनल में तमिलनाडु की सेलेना दीप्थी सेल्वाकुमार ने हरियाणा की प्रीथा प्रिय वर्तिकर को 7-11, 16-14, 11-7, 11-9, 11-6 से मात दी। वहीं, स्वस्तिका घोष ने श्रीया आनंद को 11-7, 11-7, 11-8, 11-6 से हराया। जबकि फाइनल में तमिलनाडु और महाराष्ट्र के बीच दिलचस्प मुकाबला हुआ। सेलेना दीप्थी सेल्वाकुमार ने स्वस्तिका घोष को 11-7, 11-2, 6-11, 7-11, 8-11, 11-7, 11-9 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह मुकाबला बेहद रोमांचक था, जहां सेलेना ने पहले दो सेट आसानी से जीते, लेकिन स्वस्तिका ने वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। लेकिन आखिरी दो सेट में सेलेना ने शानदार खेल दिखाकर फाइनल जीत लिया। पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में तमिलनाडु के सथियन गणासेकरन ने अपने साथी खिलाड़ी अभिनंदन पी बी को 12-10, 18-20, 11-3, 5-11, 11-9, 11-4 से हराया। वहीं, महाराष्ट्र के जैश अमित मोदी ने दिल्ली के पयास जैन को 7-11, 11-4, 6-11, 11-4, 11-5, 7-11, 11-9 से मात दी।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैमः गुकेश ने ड्रा खेला, कार्लसन और नाकामुरा की शानदार जीत

एजेंसी

हैम्बर्ग। भारत के डी. गुकेश ने निराशाजनक स्थिति से वापसी करते हुए फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर के अंतिम दौर के पहले गेम में फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोज़ा के खिलाफ ड्रॉ खेला।

अंतिम-आठ क्वालीफायर में सातवें स्थान के लिए संघर्ष कर रहे गुकेश ने पूरे गेम में बचाव किया और एक लंबे एंडगेम के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने में सफल रहे।

स्थानीय खिलाड़ी विंसेंट कीमर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के फैबियानो कारुआना को हराकर 1-0 की बढ़त बना ली है। अब कारुआना के पास बराबरी लाने का मौका होगा, जिसके लिए उन्हें टाईब्रेकर की जरूरत पड़ेगी।दूसरी ओर, नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने उज्बेकिस्तान के जाइंट किलर जावोखिर सिंदारोव को मात देकर सेमीफाइनल में कीमर के खिलाफ अपनी हार को भुला दिया। 750,000 अमेरिकी डॉलर की

पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में अब कार्लसन तीसरे स्थान के लिए प्ले-ऑफ खेलेंगे, जहां वे जीत के प्रबल दावेदार हैं।

अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने भी काले मोहरों से जीत दर्ज की। उन्होंने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुस्सत्तोरोव के खिलाफ मुकाबले में बाजी पलट दी, जब स्थिति उनके पक्ष में नहीं लग रही थी। अब्दुस्सत्तोरोव ने छोटे टुकड़ों के खेल में जटिलताएं बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन इसका खामियाजा उन्हें हार के रूप में भुगतना पड़ा।

परिणामः

विंसेंट कीमर (जर्मनी) ने फैबियानो कारुआना (यूएसए) को हराया।

नोदिरबेक अब्दुस्सत्तोरोव (उज्बेकिस्तान) हिकारू नाकामुरा (यूएसए) से हार गए।

अलीरेज़ा फ़िरोज़ा (फ्रांस) और डी. गुकेश (भारत) का मुकाबला ड्रॉ रहा।

जावोखिर सिंदारोव (उज्बेकिस्तान) मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे) से हार गए। टूर्नामेंट के अगले दौर में रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है, जहां खिलाड़ी अंतिम जीत के लिए अपनी पू री ताकत झोंक देंगे।

राष्ट्रीय खेल : हरियाणा ने उत्तराखंड को हराकर नेटबॉल (मिश्रित) में जीता स्वर्ण

एजेंसी

देहरादून। यहां जारी 38वें राष्ट्रीय खेलों में नेटबॉल (मिश्रित) स्पर्धा का रोमांच चरम पर रहा। कड़ी प्रतिस्पर्धा और शानदार प्रदर्शन के बीच हरियाणा ने फाइनल में उत्तराखंड को 39-33 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, उत्तराखंड को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

पूल मुकाबलों में दिखी जबरदस्त टक्कर

पूल ए में छत्तीसगढ़ ने दिल्ली को 39-24 से हराया, जबकि हरियाणा ने पुडुचेरी के खिलाफ 36-25 से जीत दर्ज की। दूसरी ओर, पूल बी में तेलंगाना ने कर्नाटक को 26-22 से हराया, जबकि उत्तराखंड ने असम को 34-29 से मात दी।

सेमीफाइनल में मिला कांटे का मुकाबला

पहले सेमीफाइनल में उत्तराखंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ को 35 अंकों के अंतर से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में हरियाणा ने तेलंगाना को 38-23 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

कांस्य पदक के लिए मुकाबला रोमांचक

कांस्य पदक के लिए छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें मुकाबला 31-31 की बराबरी पर खत्म हुआ, और दोनों टीमों को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला।

फाइनल में हरियाणा बना चैंपियनः फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां हरियाणा और उत्तराखंड के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। हरियाणा ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए 39-33 से जीत दर्ज की और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना का परिचय दिया और दर्शकों को रोमांचक पल देखने को मिले।

चोटिल पूजा वस्त्रकार, आशा शोभना डब्ल्यूपीएल से हुई बाहर

एजेंसी

नयी दिल्ली। मुंबई इंडियंस (एमआई) की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की लेग स्पिनर आशा शोभना चोट के कारण वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 से बाहर हो गई हैं। मलेशिया में अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रही परुनिका सिसोदिया और रेलवे की विकेटकीपर-बल्लेबाज नुजहत परवीन को क्रमशः एमआई और आरसीबी ने अपनी-अपनी टीमों शामिल किया है।

एमआई के मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स ने प्री-सीजन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूजा वस्त्रकार के रिक्त स्थान को भरना एक चुनौती है। बाएं हाथ की स्पिनर सिसोदिया वस्त्रकार की जगह नहीं ले सकतीं, लेकिन उनका हालिया प्रदर्शन मुंबई के लिए उत्साहजनक है। उल्लेखनीय है कि

शुक्रवार से डब्ल्यूपीएल का तीसरा संस्करण शुरु होने जा रहा है इस टूर्नामेंट के सभी मुकाबले वडोदरा, बेंगलुरु, लखनऊ और मुम्बई में खेले जायेंगे। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला कल गुजरात जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जायेगा।

नाथद्वारा में 10 मार्च से शुरू होगी 'ऑल टी20' एशियन लीजेंड्स लीग

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के नाथद्वारा में 10 मार्च से एशियन लीजेंड्स लीग ऑल टी20 का आगाज होगा। यह लीग 18 मार्च तक चलेगी, जिसमें एशिया के पूर्व क्रिकेट दिग्गज शामिल होंगे।

भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा द्वारा समर्थित इस टी20 लीग में पांच टीमें हिस्सा लेंगी–इंडियन रॉयल्स, श्रीलंकाई लायंस, बांग्लादेश टाइगर्स, अफगानिस्तान पठान्स और रेस्ट ऑफ एशियन स्टार्स। लीग कमिश्नर चेतन शर्मा ने कहा, ऑल टी20 सिर्फ एक क्रिकेट लीग नहीं, बल्कि एशिया के दिग्गज खिलाड़ियों के पुनर्मिलन का एक मंच है। यह प्रशंसकों को एशिया के सर्वश्रेष्ठ पूर्व खिलाड़ियों को देश बनाम देश के मुकाबले में देखने का रोमांचक अवसर देगा। लीग में खिलाड़ियों का चयन 15 फरवरी को नई दिल्ली में होने वाले ड्राफ्ट के जरिए किया जाएगा। इसमें केवल पंजीकृत खिलाड़ी ही अपनी-अपनी टीमों के लिए चुने जाएंगे। इस लीग में कुछ अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कोच की भूमिका निभाएंगे–हर्शल गिब्स (बांग्लादेश टाइगर्स), शिवनारायण चंद्रपॉल (अफगानिस्तान पठान्स) और मार्वन अटापट्टू (एशियन स्टार्स) को कोच के रूप में नियुक्त किया गया है।

टूर्नामेंट के सभी मैच राजस्थान के नाथद्वारा स्थित मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

लीग चरण के मुकाबले 10 से 14 मार्च तक होंगे, जिसके बाद प्लेऑफ और फाइनल खेले जाएंगे।

लीग मैचः

10 मार्चः अफगानिस्तान पठान्स बनाम एशियन स्टार्स (दोपहर 3 बजे), इंडियन रॉयल्स बनाम बांग्लादेश टाइगर्स (शाम 7 बजे)

11 मार्चः बांग्लादेश टाइगर्स बनाम अफगानिस्तान पठान्स (दोपहर 3 बजे), इंडियन रॉयल्स बनाम श्रीलंकाई लायंस (शाम 7 बजे)

12 मार्चः श्रीलंकाई लायंस बनाम अफगानिस्तान पठान्स (दोपहर 3 बजे), बांग्लादेश टाइगर्स बनाम एशियन स्टार्स (शाम 7 बजे)

13 मार्चः एशियन स्टार्स बनाम श्रीलंकाई लायंस (दोपहर 3 बजे), इंडियन रॉयल्स बनाम अफगानिस्तान पठान्स (शाम 7 बजे)

14 मार्चः श्रीलंकाई लायंस बनाम बांग्लादेश टाइगर्स (दोपहर 3 बजे), इंडियन रॉयल्स बनाम एशियन स्टार्स (शाम 7 बजे)।

38वें राष्ट्रीय खेलों की मल्लखंब प्रतियोगिता संपन्न, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र का दबदबा

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों के मल्लखंब इवेंट्स रोमांचक मुकाबलों और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ संपन्न हुए। प्रतियोगिता में भारत के शीर्ष एथलीटों ने अपनी चपलता, ताकत और सटीकता का प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न श्रेणियों में कई पदक अपने नाम किए।

पुरुषों की मल्लखंब प्रतियोगिताओं में रोमांचक मुकाबले

रोप फाइनल में मध्य प्रदेश के प्रणव कोरी और महाराष्ट्र के ऋषभ घबडे ने 8.70 के समान स्कोर के साथ स्वर्ण पदक साझा किया। वहीं, तमिलनाडु के एम. हेमाचंद्रन और महाराष्ट्र के श्रदुल वैशाली ने 8.60 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अर्जित किया। पोल फाइनल में मध्य प्रदेश का दबदबा रहा। प्रणीत यादव ने 8.65 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी कुंदन एल. कछावा ने 8.50 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक तमिलनाडु के पी. रेड्डी, उत्तराखंड के वासु और महाराष्ट्र के दर्शन मिनियार ने 8.20 के समान स्कोर के साथ साझा किया।

हैंगिंग स्पर्धा में महाराष्ट्र के श्रदुल वैशाली ने 8.60 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके साथी सोहिल शेख ने 8.45 के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि मध्य प्रदेश के देवेंद्र पाटीदार और तमिलनाडु के एम. हेमाचंद्रन ने 8.40 के समान स्कोर के साथ कांस्य पदक साझा किया।

महिला वर्ग में महाराष्ट्र का जलवा:पोल फाइनल में मध्य प्रदेश की अनुष्का नायक ने 8.40 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की रूपाली गंगावाने ने समान स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक महाराष्ट्र की जान्हवी जाधव और राजस्थान की रौनक राठौड़ को 8.30 के समान स्कोर के साथ मिला। रोप फाइनल में महाराष्ट्र की जान्हवी जाधव ने 8.65 के शानदार स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी टीम की साथी रूपाली गंगावाने ने 8.45 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता, जबकि मध्य प्रदेश की सिद्धि गुप्ता ने समान स्कोर के साथ कांस्य पदक अर्जित किया।

भारत की मल्लखंब विरासत को नई ऊंचाइयां

38वें राष्ट्रीय खेलों में मल्लखंब स्पर्धाओं के समापन के साथ भारत के एथलीटों ने अपनी असाधारण प्रतिभा और समर्पण का परिचय दिया। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने विशेष रूप से प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिससे भारत की पारंपरिक मल्लखंब विरासत और मजबूत हुई है। इन खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और उत्कृष्टता से भविष्य के लिए एक नई ऊंचाई स्थापित की है। विकेट) ,अक्षर पटेल (22 रन पर दो विकेट),हार्दिक पांड्या (38 रन पर दो विकेट) और कुलदीप यादव (38 रन पर एक विकेट) की चौकड़ी ने अंग्रेजों को नियमित अंतराल में पवेलियन भेज कर उन्हे मुसीबतों के भंवर में उलझाये रखा। वशिंगटन सुंदर ने 43 रन खर्च कर एक विकेट चटकाया। हार की दहलीज पर पहुंच चुकी इंग्लैंड के लिये आखिरी के ओवरों में गस एटकिंसन (38) ने धुआंधार अंदाज में खेलते हुये दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया मगर तब तक बाजी इंग्लैंड के हाथों से निकल चुकी थी।

टेबल टेनिस में सेलेना और जैश ने जीते स्वर्ण पदक

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के आखिरी दिन शानदार मुकाबले देखने को मिले। जहां सेलेना और जैश ने एकल में स्वर्ण पदक जीते, वहीं पश्चिम बंगाल की जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स में बाजी मारी। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में तमिलनाडु की सेलेना दीप्थी सेल्वाकुमार ने हरियाणा की प्रीथा प्रिय वर्तिकर को 7-11, 16-14, 11-7, 11-9, 11-6 से मात दी। वहीं, स्वस्तिका घोष ने श्रीया आनंद को 11-7, 11-7, 11-8, 11-6 से हराया। फाइनल में तमिलनाडु और महाराष्ट्र के बीच दिलचस्प मुकाबला हुआ। सेलेना दीप्थी सेल्वाकुमार ने स्वस्तिका घोष को 11-7, 11-2, 6-11, 7-11, 8-11, 11-7, 11-9 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह मुकाबला बेहद रोमांचक था, जहां सेलेना ने पहले दो सेट आसानी से जीते, लेकिन स्वस्तिका ने वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। लेकिन आखिरी दो सेट में सेलेना ने शानदार खेल दिखाकर फाइनल जीत लिया। पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में तमिलनाडु के सथियन गणासेकरन ने अपने साथी खिलाड़ी अभिनंदन पी बी को 12-10, 18-20, 11-3, 5-11, 11-9, 11-4 से हराया। वहीं, महाराष्ट्र के जैश अमित मोदी ने दिल्ली के पयास जैन को 7-11, 11-4, 6-11, 11-4, 11-5, 7-11, 11-9 से मात दी। पुरुष सिंगल्स के फाइनल में तमिलनाडु और महाराष्ट्र के बीच भयंकर संघर्ष हुआ। जैश अमित मोदी ने सथियन गणासेकरन को 7-11, 6-11, 11-7, 11-8, 14-12, 6-11, 11-6 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। यह मैच बेहद कड़ा था, जहां हर सेट में दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दे रहे थे।

नेशनल गेम्स 2025: मप्र के खिलाड़ियों ने पांच स्वर्ण समेत अर्जित किए 12 पदक

एजेंसी

भोपाल। उत्तराखंड नेशनल गेम्स 2025 के आखिरी दिन गुरुवारको मध्य प्रदेश के खिलाडियों ने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन देते हुए पांच स्वर्ण समेत कुल 12 पदक अपने नाम किए। इनमें मलखम्ब में चार स्वर्ण व 3 रजत, मोर्डन पेटाथलॉन में एक स्वर्ण, कैनोइंग में एक रजत और एक कांस्य, रेसलिंग में एक रजत और हॉकी में एक रजत पदक शामिल है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने उत्तराखंड नेशनल गेम्स 2025 33 स्वर्ण, 25 रजत और 33 कांस्य के साथ कुल 81 पदक अर्जित किए। पदक तालिका में मप्र टॉप चार राज्यों में शामिल रहा।उत्तराखंड नेशनल गेम्स 2025 खेले गए मुकाबलों मं मलखम्ब एपरेटस पोल, व्यक्तिगत महिला वर्ग में मध्य प्रदेश की अनुष्का नायक ने अपना शानदार

प्रदर्शन जारी रखते हुए 8.40 के स्कोर के साथ काफी नजदीकी मुकाबले में महाराष्ट्र की रुपाली को हरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया7 मलखम्ब एपरेटसङ्क पोल, व्यक्तिगत पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश के प्रणीत यादव ने स्वर्ण और कुंदन कच्छावा ने रजत पदक अपने नाम किया। मलखम्ब के ही आल राउंड व्यक्तिगत महिला मुकाबले में मध्य प्रदेश की जेसिका प्रजापति ने स्वर्ण और अनुष्का ने नायक ने रजत पदक अर्जित किया, साथ ही में मलखम्ब के ही आल राउंड व्यक्तिगत पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश के कुंदन कच्छावा ने स्वर्ण और देवेन्द्र पाटीदार ने रजत पदक अपने नाम किया।मलखम्ब में मध्य प्रदेश ने उत्तराखंड नेशनल गेम्स समापन तक कुल 6 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य आर्जित्त किये है। मलखम्ब में मध्य प्रदेश ने अपनी सशक्त दावेदारी पेश करते हुए, अभी तक हुए नेशनल गेम्स का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया है। वहीं, मोर्डन पेटाथलॉन, टेट्राथलॉन मिश्रित रिले प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के यश बथेरे और रमा सोनकर की टीम ने 829 का स्कोर निकल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि महाराष्ट्र की टीम ने काटें की टक्कर के बाद 824 के स्कोर के साथ रजत पदक आर्जित किया।

दक्षिण कोरिया ने एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत को हराया

किंगदाओ। बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 में भारत को ग्रुप डी के दूसरे मैच में दक्षिण कोरिया से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन टीम ने ग्रुप में दूसरे स्थान रहते हुए टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली हैं। आज यहां खेले गये मुकाबले में पेरिस 2024 ओलंपियन तनीषा क्रास्टो ने ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी को पहले मैच में जू डोंग की और इयुन ना जियोंग से 21-11, 12-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद मालविका बंसोड़ को जिन यू सिम से सीधे गेम में हार मिली और इसी के साथ दक्षिण कोरिया ने 2-0 से बढ़त हासिल कर ली। सतीश करुणाकरण ने जियोनीओप चो पर 17-21, 21-18, 21-19 से जीत दर्ज कर मुकाबले में वापसी की।

राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने रचा इतिहास, पदकों का शतक पूरा

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों के समापन से कुछ घंटे पहले ही उत्तराखंड ने पदकों का शतक लगाकर नया इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ ही राज्य ने खेलों की दुनिया में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। गोवा में हुए 37वें राष्ट्रीय खेलों में महज 24 पदक जीतने वाला उत्तराखंड इस बार 101 पदकों के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गया है।

24 स्वर्ण सहित कुल 101 पदक

उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने अपने घरेलू मैदान पर जबरदस्त प्रदर्शन किया। जहां पिछली बार केवल तीन स्वर्ण पदक आए थे, वहीं इस बार राज्य ने 24 स्वर्ण, 25 रजत और 42 कांस्य पदक जीतकर कुल 101 पदक अपने नाम किए। पदकों की कुल संख्या के आधार पर उत्तराखंड चौथे स्थान पर है, जबकि स्वर्ण पदकों की संख्या के कारण सातवें स्थान पर है।

खेलों के विकास की दिशा में बड़ी छलांग

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा, उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने 101 पदक जीतकर राज्य का मान बढ़ाया है। यह प्रदेश के खेल भूमि बनने की दिशा में एक ऊंची छलांग है। हमारी सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की खेल नीतियों और खिलाड़ियों की मेहनत का असर इस बार के प्रदर्शन में साफ दिखा। उत्तराखंड की इस शानदार उपलब्धि के साथ राष्ट्रीय खेलों में राज्य का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है।

38th NATIONAL GAMES Uttarakhand 25 SILVER JUBILEE YEAR SANKALP SE SHIKHAR TAK 28th JAN TO 14th FEB 2025

फेंसिंग प्रतियोगिता के अंतिम दिन सर्विसेज, हरियाणा और तमिलनाडु ने जीते स्वर्ण पदक

एजेंसी

देहरादून । उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल के फेंसिंग मुकाबलों का समापन रोमांचक अंदाज में हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन पुरुषों की सेबर टीम, महिलाओं की एपे टीम और महिलाओं की फॉयल टीम के मुकाबले खेले गए। इन मुकाबलों में सर्विसेज, हरियाणा और तमिलनाडु की टीमों ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

पुरुषों की सेबर टीमः सर्विसेज ने महाराष्ट्र को हरायापुरुषों की सेबर टीम स्पर्धा में आठ टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें से महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और सर्विसेज ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

पहले सेमीफाइनल में महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर की टीम आमने-सामने हुई, जहां महाराष्ट्र ने 45-37 से जीत दर्ज की। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में पंजाब और सर्विसेज के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें सर्विसेज ने 45-41 से जीत हासिल की।

फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र और सर्विसेज के बीच जोरदार टक्कर हुई, लेकिन सर्विसेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 45-37 से मुकाबला अपने नाम किया और स्वर्ण पदक जीत लिया।

महिलाओं की एपे टीमः हरियाणा का दबदबा कायममहिलाओं की एपे टीम

प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया, जिनमें से हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और मणिपुर ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। सेमीफाइनल में हरियाणा ने पंजाब को 42-34 से मात दी, जबकि मणिपुर ने चंडीगढ़ को 45-27 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।फाइनल मुकाबले में हरियाणा और मणिपुर की टीमें भिड़ीं, जहां हरियाणा की फेंसिंग टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 45-30 से जीत दर्ज की और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिलाओं की फॉयल टीमः तमिलनाडु ने दिखाया दममहिलाओं की फॉयल टीम प्रतियोगिता में आठ टीमों ने हिस्सा लिया। क्वालीफायर मुकाबलों के बाद तमिलनाडु, मणिपुर, हरियाणा और छत्तीसगढ़ की टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। पहले सेमीफाइनल में तमिलनाडु ने मणिपुर को 45-31 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में हरियाणा ने छत्तीसगढ़ को 45-28 से मात दी। फाइनल में तमिलनाडु और हरियाणा की टीमें आमने-सामने हुईं, जहां तमिलनाडु ने 45-38 से शानदार जीत दर्ज की और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

फेंसिंग प्रतियोगिता के इस रोमांचक समापन के साथ 38वें राष्ट्रीय खेल में खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, जिससे खेल प्रेमियों को जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले।

जनवरी में थोक महंगाई दर में राहत, दिसंबर 2024 के 2.37फीसदी से घटकर 2.31फीसदी पर पहुंचा आंकड़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। जनवरी में भारत का थोक मूल्य सूचकांक (WPI) दिसंबर 2024 के 2.37 प्रतिशत से घटकर 2.31 प्रतिशत हो गया। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। मंत्रालय ने थोक महंगाई का कारण खाद्य वस्तुओं के निर्माण और खाद्य उत्पादों के निर्माण की कीमतों में इजाफे को दिया। कपड़ा निर्माण लागत में वृद्धि भी मुद्रास्फीति में वृद्धि का कारण हो सकती है। जनवरी 2025 में WPI खाद्य सूचकांक बढ़कर 7.47 प्रतिशत हो गया, जबकि दिसंबर 2024 में यह 8.89 प्रतिशत था। इस बीच ईंधन की कीमतों में 2.78 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि दिसंबर में 3.79 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

एसेप्टिक पैकेजिंग कंपनी एसआईजी ने गुजरात में स्थापित किया संयंत्र

नयी दिल्ली। अग्रणी एसेप्टिक पैकेजिंग और फिलिंग सॉल्यूशन प्रदाता कंपनी एसआईजी ने गुजरात में अपना पहला एसेप्टिक कार्टन पैक उत्पादन प्लांट स्थापित करने की घोषणा की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि लॉन्च हुए इस अत्याधुनिक संयंत्र का निर्माण गुजरात के अहमदाबाद में केवल 20 महीनों में पूरा किया गया। यह निवेश एसआईजी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करेगा। इस संयंत्र की प्रारंभिक वार्षिक उत्पादन क्षमता चार अरब एसेप्टिक कार्टन पैक तक होगी। इसके अलावा 300 से अधिक स्थानीय नौकरियों का सृजन किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। यह संयंत्र भारत में मौजूद उसके फिलर बेस की आपूर्ति करेगा, जो प्रमुख डेयरी और गैर-कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक कंपनियों को सेवाएं प्रदान करता है। एसआईजी ने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध बाजार और एक प्रमुख जूस उत्पादक देश है, जिससे एसेप्टिक पैकेजिंग समाधानों के लिए व्यापक संभावनाएं बन रही हैं। वर्तमान में भारत में केवल 10 प्रतिशत दूध की खपत पैकेज्ड दूध के रूप में होती है। कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर की सीमाओं के चलते एसेप्टिक कार्टन पैकेजिंग एक सुरक्षित, टिकाऊ और सुविधाजनक समाधान प्रदान करता है, जो बिना किसी परिरक्षक या ऊर्जा-गहन प्रशीतन के खाद्य और पेय पदार्थों को लंबे समय तक संरक्षित रख सकता है।

रणवीर सिंह की कंपनी बोल्ड केयर ने जुटाये 50 लाख डॉलर

नयी दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की कंपनी बोल्ड केयर ने 50 लाख रुपये की पूंजी जुटायी है। रणवीर सिंह सेक्सुअल हेल्थ और वेलनेस कंपनी बोल्ड केयर के सह-संस्थापक हैं। इस ब्रांड ने अपनी सीरीज ए फंडिंग में 50 लाख डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) की पूंजी जुटाई है। कंपनी ने आज कहा कि नए फंड का इस्तेमाल अनुसंधान और विकास को मजबूती देने, डिजिटल मंचों पर उपस्थिति बढ़ाने और पुरुषों व महिलाओँ के लिए नए स्वास्थ्य समाधान विकसित करने में होगा। दिसंबर 2024 में बोल्ड केयर ने 100 करोड़ रुपये के वार्षिक राजस्व (एआरआर) के आंकड़े को पार कर लिया है, वित्त वर्ष 2023-24 में इसका टर्नओवर 32.9 करोड़ रुपये थाइस फंडिंग राउंड में नितिन कामथ की रेनमैटर, मिथुन और सिद्धार्थ सचेती (कैरेटलेन के संस्थापक), सयाजी होटल्स के धनानी परिवार और एवीटी ग्रुप सहित कई प्रमुख निवेशकों ने भाग लिया। गृहाज कलेक्टिव कंज्यूमर फंड, एमजीए वेंचर्स एलएलपी, क्लैरिस कैपिटल लिमिटेड, एनबी वेंचर्स लिमिटेड और एपी पार्टनर्स जैसे अन्य निवेशकों ने भी इस फंडिंग राउंड में अपना अहम योगदान दिया।

टाटा डॉटईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को 400,000 चार्जिंग प्वाइंट तक बढ़ाएगा

मुंबई। भारत की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति के अगुआ टाटा डॉटईवी ने आज देश के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बदलने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुये कहा कि वर्ष 2027 तक उपलब्ध चार्ज प्वाइंट की संख्या को दोगुना से अधिक बढ़ाकर चार लाख चार्जिंग प्वाइंट करने के ईवी को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाया जायेगा। कंपनी ने 2019 से भारत के ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहा है। सबसे पहले, टाटा समूह की कंपनियों के साथ साझेदारी करके सहज निजी/घरेलू चार्जिंग समाधान पेश किए और फिर सबसे तेज़ ईवी अपनाने वाले शहरों में और उसके आसपास सार्वजनिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को शुरू किया, जिससे शुरुआती अपनाने वालों को ईवी पर स्विच करने के लिए महत्वपूर्ण समर्थन और प्रोत्साहन मिला। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने आज वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा करते हुये कहा, टाटाडॉटईवी भारत की ईवी क्रांति में सबसे आगे रहा है, न केवल विश्व स्तरीय इलेक्ट्रिक वाहन पेश करके, बल्कि देश भर में एक मजबूत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करके भी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया नया आयकर विधेयक-2025

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बहुप्रतीक्षित नया आयकर विधेयक-2025 पेश कर दिया। नए आयकर विधयेक को सलेक्ट कमेटी के पास भेज दिया गया है। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही 10 मार्च सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में नया आयकर विधेयक-2025 को पेश करते हुए कहा, हम आयकर धाराओं की संख्या घटाकर 536 कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयकर विधेयक में अध्यायों की संख्या में कमी के साथ-साथ महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस विधेयक का उद्देश्य 64 साल पुराने आयकर अधिनियम में बड़े पैमाने पर बदलाव करना है। नया आयकर विधेयक-2025 भारत की मौजूदा आयकर प्रणाली और वैधानिक प्रावधानों में एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में लाया गया है, जो 21वीं सदी की प्रगति और आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को निरस्त करता है। दरअसल 622 पन्नों वाला यह विधयेक 6 दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 की जगह लेगा।

उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री ने अपने केंद्रीय बजट-2025 के भाषण के दौरान घोषणा की थी कि संसद के बजट सत्र के दौरान एक नया आयकर विधेयक पेश किया जाएगा।

प्रस्तावित कानून को आयकर अधिनियम-2025 कहा जाएगा और अप्रैल 2026 में प्रभावी होने की उम्मीद है।

बीएचईएल हरिद्वार को महाराष्ट्र से मिला 2 गुणा 660 मेगावाट की कोराडी थर्मल पावर स्टेशन बनाने का आर्डर

हरिद्वार। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को महाराष्ट्र के नागपुर जिले में 2 गुणा 660 मेगावाट कोराडी सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन (यूनिट 11 और 12) की स्थापना के लिए एक बड़ा ऑर्डर मिला है।

यह ऑर्डर महाजेनको ने बीएचईएल को दिया गया है। यह जानकारी देते हुए बीएचईएल हरिद्वार के संचार एवं जनसंपर्क प्रमुख संजय पंवार ने बताया कि बीएचईएल के कार्यक्षेत्र में मुख्य संयंत्र पैकेज (बॉयलर, टरबाइन और जनरेटर) और संबंधित सहायक उपकरणों के साथ-साथ सभी आवश्यक विद्युत, सिविल और संरचनात्मक कार्यों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल है। कंपनी के कार्यक्षेत्र में उन्नत, उच्च-दक्षता वाले उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों की आपूर्ति भी शामिल है।

उन्होंने बताया कि बीएचईएल निर्मित विद्युत उत्पादक इक्विपमेंट महाराष्ट्र की महाजेनको की कुल स्थापित कोयला-आधारित उत्पादन क्षमता में 75फीसदी से अधिक का योगदान करते हैं और कंपनी वर्तमान में महाजेनको की 660 मेगावाट भुसावल परियोजना को भी निष्पादित कर रही है। उल्लेखनीय है कि भारत के अग्रणी बिजली उपकरण निर्माता के रूप में देशभर में 1.70 लाख मेगावाट से अधिक यूटिलिटी विद्युत क्षमता स्थापित करने का ट्रैक रिकॉर्ड है।

आयकर विधेयक 2025 का मकसद कर निश्चितता हासिल करना, जटिलता कम करना: आयकर विभाग

एजेंसी
नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कहा कि आयकर विधेयक 2025 लोकसभा में पेश किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य सभी के लिए कर प्रणाली को सरल बनाना है और यह इन मूल सरल सिद्धांतों पर आधारित है। नए आयकर विधेयक का मकसद मुकदमेबाजी और जटिल व्याख्या को कम करके कर निश्चितता हासिल करना है। यह विधेयक आकार में 1961 के आयकर अधिनियम का आधा है। लोकसभा में पेश किए गए आयकर विधेयक, 2025 में 2.6 लाख शब्द हैं, जो मौजूदा आयकर अधिनियम के 5.12 लाख शब्दों से काफी कम हैं। इसमें धाराओं की संख्या भी 536 है, जबकि मौजूदा आयकर कानून में 819 प्रभावी धाराएं हैं। विभाग ने आयकर विधेयक, 2025 के बारे में 'अक्सर पूछे जाने वाले सवाल' (एफएक्यू) जारी करते हुए कहा कि नए विधेयक में अध्यायों की संख्या भी 47 से आधी करके 23 कर दी गई है। आयकर विधेयक, 2025 में 57 तालिकाएं हैं, जबकि मौजूदा आयकर अधिनियम में 18 हैं। नए विधेयक में 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण को हटा दिया गया है। इस विधयेक में छूट और टीडीएस/टीसीएस से संबंधित

प्रावधानों को सारणीबद्ध प्रारूप में रखा गया है, जबकि गैर-लाभकारी संगठनों के लिए अध्याय की भाषा को सरल बनाया गया है। विधेयक के प्रारूपण में कर निश्चितता के सिद्धांतों का पालन किए जाने के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा गया कि इसके तहत मुकदमेबाजी और नई व्याख्याओं के दायरे को कम करने की कोशिश की गई है। लोकसभा में पेश आयकर विधेयक, 2025 के मुताबिक विशेष रूप से जहां न्यायालयों ने निर्णय दिए हैं, वहां मुख्य शब्द और वाक्यांश को न्यूनतम संशोधनों के साथ बनाए रखा गया है। कई व्याख्याओं की गुंजाइश को कम करने के लिए प्रावधानों को स्पष्ट किया गया है और अंतरराष्ट्रीय कराधान के विभिन्न खंडों के संबंध में कर निश्चितता सुनिश्चित की गई है। एफएक्यू में कहा गया है कि नए आयकर विधेयक में 'कोई प्रमुख नीति-संबंधी परिवर्तन' या कर दरों में बदलाव नहीं किया गया है। इस विधेयक में वेतन से संबंधित प्रावधानों को समझने में आसानी के लिए एक स्थान पर समेकित किया है, ताकि करदाता को आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए अलग-अलग अध्यायों का संदर्भ न लेना पड़े। ग्रेच्युटी, छुट्टी नकदीकरण, पेंशन का कम्यूटेशन, वीआरएस पर मुआवजा और छंटनी मुआवजा जैसी कटौती अब वेतन अध्याय का ही हिस्सा हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 को पेश करते हुए कहा कि इस विधेयक में 'काफी बदलाव' किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शब्दों की संख्या 5.12 लाख से आधी कर दी गई है और धाराएं 819 से घटाकर 236 कर दी गई हैं। नए आयकर विधेयक को लोकसभा की चयन समिति के पास भेजा गया।

सोना 140 रुपये बढ़कर 88000 रुपये के स्तर पर पहुंचा, चांदी 800 रुपये मजबूत हुई

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में मजबूत रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 140 रुपये बढ़कर 88,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोना का भाव 87,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 140 रुपए बढ़कर 87,700 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि पहले इसका भाव 87,560 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, सोने में हाल की गिरावट से सुधार हुआ है और इसमें तेजी दर्ज की गई, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शीघ्र ही लागू किए जाने वाले टैरिफ की कई विघटनकारी घोषणाओं के कारण निवेश की मांग बरकरार है।

चांदी की कीमत भी 800 रुपये बढ़कर 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 97,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। गांधी ने कहा कि निवेशकों को चिंता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के व्यापार शुल्क से वैश्विक व्यापार युद्ध छिड़ सकता है, इससे सोने जैसी सुरक्षित धातुओं के लिए अनुकूल स्थिति बनी है।

एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 364 रुपये की तेजी के साथ 85,845 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (कमोडिटी एवं करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ÷अमेरिकी सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) आंकड़ों में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की तत्काल आवश्यकता नहीं होने के संकेत के बावजूद सोने की कीमतों में एक बार फिर तेजी आई। त्रिवेदी ने कहा कि सोने की सुरक्षित निवेश अपील इसकी मजबूती को समर्थन दे रही है, जिससे व्यापक तेजी की भावना बरकरार है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी वायदा भाव 191 रुपये बढ़कर 95,693 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। विदेशी बाजारों में अप्रैल डिलीवरी के लिए कॉमेक्स सोना वायदा 15.90 डॉलर प्रति औंस बढ़कर 2,944.60 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस बीच, हाजिर सोना भी 12.72 डॉलर प्रति औंस या 0.44 प्रतिशत बढ़कर 2,916.76 डॉलर प्रति औंस हो गया।

सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 में पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट को विकास को गति देने, समावेशी विकास सुनिश्चित करने और निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने वाला कहा है। उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमान में यह 13.18 लाख करोड़ रुपये था।

सीतारमण ने राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह बजट एक चुनौतीपूर्ण समय के दौरान तैयार किया गया था, जिसमें अनुमान या पूर्वानुमान से परे गंभीर बाहरी चुनौतियां थीं। इसके बावजूद हमने भारत के हितों को सर्वोपरि रखते हुए आकलन को यथासंभव सटीक रखने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि प्रभावी पूंजीगत व्यय में केंद्रीय बजट में मुख्य

> **सीतारमण ने राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह बजट एक चुनौतीपूर्ण समय के दौरान तैयार किया गया था, जिसमें अनुमान या पूर्वानुमान से परे गंभीर बाहरी चुनौतियां थीं।**

पूंजीगत व्यय के साथ-साथ पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राज्यों को आवंटित अनुदान और सहायता भी शामिल है। राज्यसभा में विपक्ष की उठाई गई चिंताओं पर सीतारमण ने कहा कि यद्यपि पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान और सहायता को केंद्र सरकार के खातों में राजस्व व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है, फिर भी वे पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राज्यों को जाते हैं, इसलिए अंततः ये पूंजीगत व्यय है।

सीतारमण ने कहा कि इसके बावजूद सरकार ने भारत के हितों को सर्वोपरि रखते हुए आकलन को यथासंभव सटीक रखने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में प्रभावी पूंजीगत व्यय 2024-25 के संशोधित अनुमान 13.18 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 15.49 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, इसलिए इसमें कोई कटौती नहीं की गई है। सीतारमण ने विपक्ष के दावों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कृषि एवं संबद्ध पर 1.71 लाख करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास पर 2.67 लाख करोड़ रुपये, शहरी विकास एवं परिवहन पर 6.45 लाख करोड़ रुपये, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर 2.27 लाख करोड़ रुपये, पेंशन को छोड़कर रक्षा पर 4.92 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसलिए हमने किसी भी क्षेत्रीय आवंटन में कटौती नहीं की है।

वित्त मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के प्रथम अग्रिम अनुमानों में कहा गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था वास्तविक रूप से 6.4 फीसदी और नाममात्र रूप से 9.7 फीसदी की दर से बढ़ेगी। इसलिए बजट के लिए हमने अपने लक्ष्य ऐसे रखे हैं कि हम विकास में तेजी ला सकें, समावेशी विकास सुनिश्चित कर सकें, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा दे सकें।

ईडी ने विदेशी मुद्रा व्यापार मामले में बैंक में जमा 170 करोड़ रुपये किए फ्रीज

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित धोखाधड़ी वाली विदेशी मुद्रा व्यापार एवं जमा योजना के प्रवर्तकों के खिलाफ हाल में की गई छापेमारी के बाद बैंक में जमा 170 करोड़ रुपये पर रोक लगा दी है। ईडी ने लगभग 30 बैंक खातों में जमा 170 करोड़ रुपये के फंड को फ्रीज कर दिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने जारी एक बयान में बताया कि उसने 11 फरवरी को दिल्ली, उत्तर प्रदेश के नोएडा एवं शामली और हरियाणा के रोहतक में विभिन्न परिसरों में छापेमारी की कार्रवाई की। ये छापेमारी 'क्यूएफएक्स ट्रेड लिमिटेड' और इसके निदेशकों राजेंद्र सूद, विनीत कुमार और संतोष कुमार के अलावा एक 'मास्टरमाइंड' नवाब अली उर्फ लविश चौधरी के खिलाफ जांच के तहत की गई।ईडी ने बताया कि चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने पीएमएलए, 2002 के तहत क्यूएफएक्स ट्रेड लिमिटेड और अन्य के मामले में दिल्ली, नोएडा, रोहतक और शामली (यूपी) में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है। इस तलाशी अभियान के दौरान 90 लाख

रुपये से अधिक की नकदी, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण बरामद और जब्त किए गए। इसके बाद इन मुखौटा कंपनियों के 30 से अधिक बैंक खातों में जमा 170 करोड़ रुपये की चल संपत्तियों को फ्रीज किया गया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि कंपनी के निदेशक फंड के स्रोत के बारे में नहीं बता पाए।

हिंडाल्को का मुनाफा 60.2 प्रतिशत उछला

एजेंसी
नयी दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह की एल्युमीनियम उत्पादक कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 2331 करोड़ रुपये के मुकाबले 60.2 प्रतिशत उछलकर 3735 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसे 3735 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही के 2331 करोड़ रुपये की तुलना में 60.2 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसका परिचालन से प्राप्त राजस्व 52808 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 58390 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक सतीश पई ने तीसरी तिमाही के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए कहा, वैश्विक

अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, विशेष रूप से भारत व्यवसाय के प्रभावशाली प्रदर्शन के चलते। एल्युमीनियम इंडिया अपस्ट्रीम व्यवसाय ने 42 प्रतिशत के उद्योग-अग्रणी मार्जिन के साथ रिकॉर्ड तिमाही ईबीआईटीडीए दर्ज किया जबकि डाउनस्ट्रीम सेगमेंट ने ईबीआईटीडीए में 36 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। इसी तरह कॉपर व्यवसाय ने भी 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ शानदार प्रदर्शन किया और 'कॉपर मार्क- जेडीडीएस' प्रमाणन प्राप्त करके उत्तरदायी और टिकाऊ उत्पादन प्रथाओं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

हिंडाल्को का एक प्रमुख वैश्विक व्यवसाय नोवेलिस स्क्रैप मूल्य निर्धारण के दबावों के बावजूद परिचालन और लागत दक्षता पहलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस तिमाही के दौरान कंपनी ने भारत अपस्ट्रीम कारोबार के लिए महत्वपूर्ण संसाधन हासिल किए, जिससे इसकी वैश्विक लागत नेतृत्व क्षमता और मजबूत हुई। कंपनी की एल्युमिना रिफाइनरी, एल्युमीनियम स्मेल्टर विस्तार, कॉपर स्मेल्टर विस्तार और एफआरपी परियोजनाएं तय समय के अनुसार प्रगति कर रही हैं।

हिंडाल्को की मजबूत बैलेंस शीट कंपनी को भविष्य के परिवर्तनकारी विकास के लिए सक्षम बनाती है। साथ ही इसका ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) दृष्टिकोण लगातार वैश्विक मान्यता प्राप्त कर रहा है। हिंडाल्को एल्युमीनियम क्षेत्र में एसएंडपी ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक 2025 में शीर्ष रैंकिंग प्राप्त करने वाली एकमात्र कंपनी है, जिससे इसके सतत विकास और जिम्मेदार कारोबारी रणनीति की पुष्टि होती है।

जनवरी में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 1.6 फीसदी बढ़ी : सियाम

एजेंसी
नई दिल्ली। जनवरी में यात्री वाहनों की कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर 1.6 फीसदी बढ़कर 3,99,386 इकाई पर पहुंच गई है। पिछले साल जनवरी में यात्री वाहनों की कुल थोक बिक्री 3,93,074 इकाई रही थी। उद्योग संगठन भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माता सोसायटी (सियाम) ने जारी आंकड़ों में बताया कि वाहनों की मजबूत मांग के कारण कंपनियों से डीलरशिप तक यात्री वाहनों की आपूर्ति जनवरी महीने में सलाना आधार पर 1.6 फीसदी बढ़कर 3,99,386 इकाई हो गई है। जनवरी में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 2.1 फीसदी बढ़कर 15,26,218 इकाई हो गई है, जबकि जनवरी 2024 में यह 14,95,183 इकाई थी। इसी तरह कुल तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 7.7 फीसदी बढ़कर 58,167 इकाई हो

गई, जबकि पिछले साल जनवरी, 2024 में यह 53,991 इकाई रही थी उद्योग संगठन सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने जारी बयान में कहा कि हाल ही में केंद्रीय बजट 20925-26 में दीर्घकालिक आर्थिक विकास को प्राथमिकता देने वाली घोषणाएं, विशेष रूप से व्यक्तिगत आयकर में बदलाव और आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कमी से उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाने और ऑटो उद्योग में मांग को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत सरकार खिलौने, फुटवियर विनिर्माण के लिए नई नीतियां लाएगी : गोयल

बेंगलुरु/नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही भारत में खिलौनों और जूतों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां पेश करेगी। इसका उद्देश्य देश को इन क्षेत्रों में वैश्विक नेता बनाना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने बेंगलुरु में इन्वेस्ट कर्नाटक 2025-ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में खिलौना उद्योग में सरकार के प्रयासों की जानकारी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का खिलौनों आयात 50 फीसदी तक कम हो गया है। हमारा निर्यात अब 5 साल पहले की तुलना में 3.5 गुना है। गोयल ने कहा, ''हम जल्द ही खिलौनों और जूतों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नीतियां लेकर आएंगे, ताकि हम इन क्षेत्रों में वैश्विक चैंपियन बन सकें।'' उन्होंने कहा कि आगामी नीतियों से भारत में खिलौनों और फुटवियर विनिर्माण के विकास को और बढ़ावा मिलेगा। वाणिज्य मंत्री ने देश में उच्च तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के व्यापक प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत करीब 2 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, साथ ही सेमीकॉन मिशन के लिए 74 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

ऊपरी स्तर से फिसला शेयर बाजार, लगातार सातवें दिन सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार सातवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार में पूरे दिन उतार-चढ़ाव होता रहा। दिन के पहले सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, लेकिन दूसरे सत्र में बिकवाली का दबाव बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार में रियल्टी, मेटल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा कैपिटल गुड्स और पीएसई इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। आईटी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 407.14 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 407.46 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 32 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,074 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,857 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,089 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,574 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,217 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,357 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 30.02 अंक की मामूली बढ़त के साथ 76,201.10 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई। पहले ये सूचकांक 157.65 अंक टूट कर 76,013.43 अंक तक लुढ़का। इसके थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 751.10 अंक उछल कर 593.45 अंक की तेजी के साथ 76,764.53 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में बिकवाली का दबाव पड़ने पर इसने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। दिन के दूसरे सत्र में हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 625.56 अंक टूट कर 32.11 अंक की कमजोरी के साथ 76,138.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 10.50 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 23,055.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक पहले 53.05 अंक लुढ़क कर 22,292.20 अंक तक गिर गया।

अध्यादेश पर ओली सरकार संकट में, तीन सहयोगी दलों ने दी सरकार छोड़ने की चेतावनी

एजेंसी

काठमांडू। ओली सरकार के अध्यादेश का विरोध करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन दल के नेताओं ने अब सरकार छोड़ने तक की चेतावनी दे दी है।ओली सरकार का समर्थन कर रहे लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (लोसपा), जनमत पार्टी और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने सरकार पर भूमि संबंधी अध्यादेश को वापस लेने के लिए दबाव बना दिया है। तीन सहयोगी दलों की इस धमकी के बाद सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं।सरकार को बाहर से समर्थन कर रहे जनता समाजवादी पार्टी ने अध्यादेश के विरोध में मतदान करने का फैसला लेने के बाद अब चौबीस घंटे के भीतर सरकार छोड़ने तक की चेतावनी दे दी है। ओली सरकार का समर्थन कर रहे लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (लोसपा) ने बाकायदा बयान जारी करके इस अध्यादेश के विरोध में मतदान करने की बात कही है। आज लोसपा के अध्यक्ष महंथ ठाकुर ने अपनी पार्टी से सरकार में सहभागी मंत्री को किसी भी समय अपने पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने बताया कि यदि सरकार ने भूमि अध्यादेश को वापस नहीं लिया, तो इस सरकार से समर्थन वापस ले लिया जाएगा।

नेपाल-भारत के बीच 6480 मेगावाट क्षमता की पंचेश्वर परियोजना को लेकर बनी सहमति

काठमांडू। नेपाल-भारत के बीच 6480 मेगावाट क्षमता की पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना को लेकर सहमति बन गई है। यह जानकारी भारत भ्रमण पर गए नेपाल के ऊर्जा और जलस्रोत मंत्री दीपक खड्का ने दी। उन्होंने बताया कि भारत के साथ 6480 मेगावाट क्षमता की पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना के रुके हुए काम को आगे बढ़ाने को लेकर सहमति हो गई है। नई दिल्ली में भारत सरकार के जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ गुरुवार को हुई मुलाकात के दौरान पंचेश्वर परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए गंभीर चर्चा होने की बात बताई गई है। इस मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए नेपाल के मंत्री दीपक खड्का ने बताया कि पंचेश्वर के विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के मुताबिक ही काम को आगे बढ़ाने को लेकर मंत्री स्तरीय बातचीत में सहमति हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जल्द ही इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए गठित विज्ञ समूह की बैठक कर सभी विषयों पर सहमति जुटाने का प्रयास किया जाएगा। भारत सरकार की तरफ से तैयार किए गए डीपीआर की फाइल पिछले कई महीनों से नेपाल सरकार के पास रही है। इस पर सरकार को अपना सुझाव देकर इसको समझौते के चरण में ले जाने को लेकर नेपाल और भारत के मंत्रियों के बीच सैद्धांतिक सहमति हुई है।

भारतीय मूल के पॉल कपूर को डोनाल्ड ट्रंप ने सौंपी अहम जिम्मेदारी, सीनेट की मंजूरी का इंतजार

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पॉल कपूर को दक्षिण एशियाई मामलों के प्रमुख राजनयिक के रूप में नामित किया है। भारतीय मूल के पॉल कपूर इस समय यूनाइटेड स्टेट्स नेवल पोस्ट ग्रेजुएट स्कूल के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के विभाग में प्रोफेसर हैं। विल्सन सेंटर में दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने एक्स पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा है कि दक्षिण एशियाई सुरक्षा के विद्वान पॉल कपूर को राष्ट्रपति ट्रंप ने डोनाल्ड लू की जगह लेने के लिए नामित किया है। कपूर अमेरिका-भारत साझेदारी के प्रबल समर्थक और पाकिस्तान के कठोर आलोचक हैं। अगर सीनेट से मंजूरी मिल जाती है तो वह डोनाल्ड लू की जगह लेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने जनवरी में पुष्टि की थी कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू का कार्यकाल 17 जनवरी, 2025 को समाप्त हो गया है। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों का ब्यूरो अमेरिका की विदेश नीति के अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिज़स्तान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान से जुड़े मामलों को देखता है।

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की मांग ने जोर पकड़ा

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। आज गाजीपुर में पूर्वमंत्री काशिम खान की नमाज-ए-जनाजा में शामिल छात्र नेताओं ने अंतरिम सरकार से 24 घंटे के भीतर अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया। हमले में घायल काशिम खान का कल ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनकी नमाज-ए-जनाजा आज सुबह करीब 11ः35 बजे गाजीपुर के राजबाड़ी मैदान में हुई। नमाज-ए-जनाजा से पहले छात्र अधिकार परिषद के जिला महासचिव फरीदुज्जमान जाहिद ने कहा कि 24 घंटे के भीतर अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के महासचिव नसिर ने काशिम को बांग्लादेश में क्रांति के बाद पहला शहीद बताया। उन्होंने कहा कि हमले में घायल अन्य लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के केंद्रीय मजलिस-ए-शूरा सदस्य हुसैन अली ने आरोप लगाया कि हमले के आरोप में गिरफ्तार लोगों के साथ नरम व्यवहार किया जा रहा है। अतीत में हमारे नेताओं को हथकड़ी लगाई गई थी और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया था।

भारत की 'एक्ट ईस्ट' और थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति पारस्परिक समृद्धि को बढ़ावा देती हैं : मोदी

एजेंसी

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और थाईलैंड के बीच कई क्षेत्रों में जीवंत साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति एक दूसरे की पूरक हैं और ये पारस्परिक प्रगति तथा समृद्धि को बढ़ावा देती हैं।

श्री मोदी ने शुक्रवार को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान वीडियो संदेश के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मेलन भारत और थाईलैंड दोनों देशों की मैत्री में एक और सफल अध्याय का प्रतीक है।प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को याद किया और कहा कि संवाद का विचार 2015 में उन दोनों की बातचीत से उभरा था। तब से संवाद ने विभिन्न देशों की यात्रा की है, तथा बहस, संवाद और गहन

समझ को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि थाईलैंड एशिया की साझा दार्शनिक और आध्यात्मिक परंपराओं का सुंदर उदाहरण है। श्री मोदी ने भारत और थाईलैंड के बीच दो हजार वर्षों से भी अधिक समय से चले आ रहे गहरे सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि रामायण और रामकियेन दोनों देशों को जोड़ते हैं तथा भगवान बुद्ध के प्रति उनकी साझा श्रद्धा उन्हें एकजुट करती है। उन्होंने भारत और थाईलैंड के बीच कई क्षेत्रों में जीवंत साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और थाईलैंड की 'एक्ट वेस्ट' नीति एक दूसरे की पूरक हैं, जो पारस्परिक प्रगति और समृद्धि को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन दोनों देशों के बीच मैत्री में एक और सफल अध्याय का प्रतीक है। संवाद कार्यक्रम की थीम पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा कि लोग अक्सर एशिया के आर्थिक उत्थान का उल्लेख करते हैं, लेकिन यह सम्मेलन इस बात पर प्रकाश डालता है कि एशियाई शताब्दी केवल आर्थिक मूल्य के बारे में नहीं बल्कि सामाजिक मूल्यों के बारे में भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भगवान बुद्ध की शिक्षा दुनिया को शांतिपूर्ण और प्रगतिशील बनाने में मार्गदर्शन कर सकती हैं, और उनका ज्ञान मानव-केंद्रित भविष्य की ओर ले जाने की शक्ति रखता है। संवाद के मुख्य विषयों में से एक- संघर्ष से बचने के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष अक्सर इस विश्वास से उत्पन्न होते हैं कि केवल एक ही रास्ता सही है जबकि अन्य गलत हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर भगवान बुद्ध की अंतर्दृष्टि का हवाला देते हुए कहा कि कुछ लोग अपने ही विचारों से चिपके रहते हैं और केवल एक ही पक्ष को सही मानते हुए बहस करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ही मुद्दे पर कई दृष्टिकोण हो सकते हैं। उन्होंने ऋग्वेद का हवाला देते हुए कहा कि जब हम स्वीकार करते हैं कि सत्य को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है।

मौलाना फजलुर रहमान का खुलासा, पीटीआई और जेयूआईएफ में मतभेद पैदा कराने की हुई कोशिश

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रमुख विपक्षी नेता जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआईएफ) के अध्यक्ष मौलाना फजलुर रहमान ने खुलासा किया कि उनकी पार्टी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बीच कई बार मतभेद पैदा करने की कोशिश की गई। समूचे विपक्ष को विभाजित करने का प्रयास किया गया। संघीय सरकार को बचाने के लिए राजनीतिक खेल खेला गया।

द न्यूज इंटरनेशनल समाचार पत्र के अनुसार, मौलाना फजलुर रहमान ने प्रमुख पत्रकारों से यहां गुरुवार को बातचीत में यह दावा करते हुए अपने धोखाधड़ी वाले चुनाव के पुराने आरोपों को दोहराया। उन्होंने कहा कि शहबाज सरकार डमी सरकार है। ऐसे सरकार के प्रतिनिधि अवाम का सामना नहीं कर सकते। लोग जनाधारहीन सरकारों पर भरोसा नहीं करते। जेयूआईएफ प्रमुख ने पाकिस्तान की चुनावी प्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने

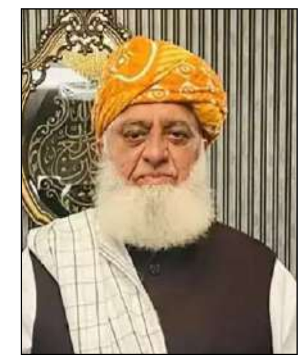

कहा कि मतदाताओं को सिर्फ औपचारिकता के लिए कतारों में खड़ा किया जाता है। मतपेटियों से तो वही निकलता है जो कुछ लोग चाहते हैं। इसलिए वह ऐसी सरकार के सामने कभी नहीं झुकेंगे।

'यूएस दौरा रहा सफल', वाशिंगटन से दिल्ली के लिए रवाना हुए पीएम मोदी

एजेंसी

वाशिंगटन । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दो दिवसीय अमेरिका यात्रा पूरी करके नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। इस दौरे के दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट के जरिए पुष्टि की है कि पीएम वाशिंगटन से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। पीएमओ हैंडल पर एक तस्वीर के साथ लिखा गया है- पीएम मोदी यूएस का सफल दौरा कर भारत के लिए रवाना हुए।प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को फ्रांस से अमेरिका पहुंचे थे और भारतीय समयानुसार शुक्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने उनकी मेजबानी की। यह बैठक खास रही क्योंकि यह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की पहली द्विपक्षीय वार्ता थी। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में बैठकों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। भारत और अमेरिका ने

महत्वपूर्ण फैसले लिए। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से भी मुलाकात की। इन रक्षा, ऊर्जा और अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्रों में अपने सहयोग को व्यापक करने का निर्णय लिया। इसके अलावा, दोनों देशों ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

प्रो. यूनुस ने एलन मस्क से की बांग्लादेश में स्टारलिंक पर चर्चा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रो. मोहम्मद यूनुस ने टेस्ला और स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क और उनकी टीम के साथ आभासी बैठक में संचार संसाधनों पर चर्चा की। मुख्य सलाहकार प्रो. यूनुस चाहते हैं कि मस्क बांग्लादेश में स्टारलिंक उपग्रह इंटरनेट की सेवा शुरू करें। द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार, मुख्य सलाहकार की प्रेस विंग की विज्ञप्ति में इस बैठक का ब्यौरा जारी किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, स्पेसएक्स के संस्थापक और मुख्य सलाहकार ने विशेष रूप से बांग्लादेश के उद्यमशील युवाओं, ग्रामीण और कमजोर महिलाओं और दूरदराज के समुदायों के लिए स्टारलिंक के उपग्रह संचार के संभावित परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में बात की। इस बैठक में रोहिंग्या संकट पर बांग्लादेश के प्रतिनिधि खलीलुर रहमान, एसडीजी के प्रमुख समन्वयक लामिया मोर्शेड के साथ स्पेसएक्स के उपाध्यक्ष लॉरेन ड्रेयर और ग्लोबल एंगेजमेंट सलाहकार रिचर्ड ग्रिफिथ्स ने हिस्सा लिया। प्रोफेसर यूनुस और मस्क ने चर्चा की कि स्टारलिंक की कनेक्टिविटी को बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे में एकीकृत करने से लाखों लोगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे और देश को

कि कैसे उच्च गति, कम लागत वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी बांग्लादेश में डिजिटल विभाजन को पाट सकती है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक विकास को मजबूत कर सकती है और लाखों छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को राष्ट्रीय सीमा से परे पहुंच प्रदान कर सकती है। प्रो. यूनुस ने कहा वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में और अधिक निकटता से एकीकृत किया जा सकेगा।

मुख्य सलाहकार यूनुस ने कहा कि स्टारलिंक के बांग्लादेश में आने से ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को दुनिया से जोड़ने की ग्रामीण बैंक और ग्रामीणफोन की पहल का विस्तार होगा।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण ,एफ -35 युद्धक विमान की खरीद समेत कई अहम समझौते की घोषणा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुंबई में 26 नवंबर 2008 के आतंकवादी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण किये जाने, भारतीय वायु सेना के लिए एफ 35 युद्धक विमान की खरीद का मार्ग प्रशस्त करने तथा भारत को तेल एवं गैस की आपूर्ति के एक समझौते की घोषणा की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ चार घंटे तक चली बैठकों के बाद ये घोषणाएं की तथा संकेत दिया कि वह भारत द्वारा खालिस्तानी आतंकवादियों के प्रत्यर्पण की दिशा में कदम उठाने वाले हैं। उन्होंने बंगलादेश के मुद्दे पर प्रधानमंत्री श्री मोदी को समुचित कदम उठाने की भी सलाह दी। व्यापार समझौतों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ किया कि वह किसी को हराना नहीं बल्कि अमेरिका के हितों की रक्षा करने के हक में हैं। श्री मोदी के

व्हाइट हाउस पहुंचने पर श्री ट्रंप ने बहुत गर्मजोशी स्वागत करते हुए गले मिले। श्री ट्रंप ने कहा, ÷हमने आप याद आए, हमने आपको बहुत याद किया। प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करके मुझे बहुत खुशी हुई। वह लंबे समय से मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं।÷

दोनों नेताओं के बीच ओवल आफिस में एकांत में मुलाकात हुई और फिर प्रतिनिधिमंडल स्तर की बात हुई। राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रधानमंत्री को एक पुस्तक ÷हमारी यात्रा एक साथ÷ उपहार में दी। उन्हें हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम से संबंधित कई तस्वीरें तथा कई अन्य तस्वीरें दिखाईं। श्री ट्रम्प ने पुस्तक पर हस्ताक्षर के साथ लिखा, श्रीमान प्रधानमंत्री आप महान हैं। बाद में मीडिया से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ÷मैं व्हाइट हाउस में पीएम मोदी का स्वागत करके रोमांचित हूं।

हम यहां और भारत में भी काफी समय बिताते हैं। हमने 5 साल पहले आपके खूबसूरत देश की यात्रा की थी... यह एक अविश्वसनीय समय था। अमेरिका और भारत के बीच एक विशेष संबंध है - दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र का। उन्होंने कहा, भारत के प्रधानमंत्री मोदी का यहां आना बहुत सम्मान की बात है। वह लंबे समय से मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारा एक अद्भुत संबंध रहा है और हमने अपने 4 साल की अवधि के दौरान रिश्ते को बनाए रखा... हमने अभी फिर से शुरुआत की है। मुझे लगता है कि हमारे पास बात करने के लिए कुछ बहुत बड़ी चीजें हैं।

अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में कोयला खदान में विस्फोट, तीन खनिकों की मौत

एजेंसी

काबुल । अफगानिस्तान के उत्तरी समांगन प्रांत में एक कोयला खदान में मीथेन गैस के विस्फोट के कारण तीन खनिकों की मौत हो गई। यह घटना दारा-ए-सूफी बाला जिले के एक कोयला खदान में हुई।

सिन्हुआ ने प्रांतीय पुलिस के हवाले से बताया कि विस्फोट में तीन नाबालिग खनिकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर तीनों मृतकों के शव बरामद किए और उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया। यह घटना मंगलवार (12 फरवरी) को हुई। पुलिस के मुताबिक, खदान में मीथेन गैस का उच्चतम स्तर होने के कारण विस्फोट हुआ, जिससे यह हादसा हुआ। अफगानिस्तान में खनन कार्यों के दौरान ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। विशेष रूप से खनन में आधुनिक उपकरणों की कमी और खनिकों की अकुशलता के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। देश के कई खनिक अवैध खनन के कारण भी जान गंवाते हैं। इससे पहले, 11 फरवरी को उत्तरी बदख्शां प्रांत में एक भूस्खलन ने दो स्वर्ण खनिकों की जान ले ली थी। 12

दिसंबर 2024 को अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में एक कोयला खदान के मलबे में कई खनिक फंस गए थे। स्थानीय अधिकारियों ने खुद इसकी जानकारी दी थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रांतीय स्वास्थ्य निदेशक के हवाले से बताया था कि मलबे के नीचे 35 खनिकों के फंसे थे।

पाकिस्तान में विस्फोट, आतंकियों ने खदान मजदूरों को ले जा रहे ट्रक को बनाया निशाना, 10 की मौत, 6 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। अशांत बलूचिस्तान के हरनाई इलाके में शुक्रवार को कोयला खदान श्रमिकों को ले जा रहे एक ट्रक में विस्फोट होने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। 'द डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक हरनाई के डिप्टी कमिश्नर हजरत वली काकर के अनुसार, यह विस्फोट हरनाई के शाहराग जिले में कोयला खदान क्षेत्र 'पीएमडीसी 94' में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हुआ। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद के एक बयान के अनुसार, घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। बयान के मुताबिक सबूत इक्ट्ठा किए जा रहे हैं और शुरुआती जांच से पता चलता है कि विस्फोटक सामग्री सड़क किनारे रखी गई थी।बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने घटना की निंदा की और लोगों की मौत पर

दुख व्यक्त किया। उन्होंने निर्देश दिया कि घायल श्रमिकों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा, निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने वाले आतंकवादी किसी भी तरह की माफी के हकदार नहीं हैं और बलूचिस्तान की शांति को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। बुगती ने कहा कि शांति के दुश्मनों के इरादों को किसी भी हालत में सफल नहीं होने दिया जाएगा। इस घटना में शामिल आतंकवादियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। बुगती ने कहा कि बलूचिस्तान सरकार लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। इसे भू-आर्थिक और भू-रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जाता है फिर भी यह अशांत रहता है।

पिछले दिनों बलूचिस्तान के कलात जिले में स्थित मंगोचर शहर में एक ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान के फ्रंटियर कोर (एफसी) के कम से कम 18 सैनिकों की मौत हो गई। पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 31 जनवरी/1 फरवरी की रात को आतंकवादियों ने बलूचिस्तान के कलात जिले के मनोचर में सड़क ब्लॉक करने की कोशिश की।बयान के मुताबिक, सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को तत्काल सक्रिय किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक इस नापाक इरादे को नाकाम कर दिया और 12 आतंकवादियों को मार गिराया, जिससे स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान 18 सैनिक भी मारे गए।

अमेरिकी एनएसए वाल्ट्ज से मिले पीएम मोदी; रक्षा, प्रौद्योगिकी और दोनों देशों के संबंधों पर हुई चर्चा

एजेंसी

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्लेयर हाउस में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइक वाल्ट्ज से मुलाकात की। ब्लेयर हाउस एक अमेरिकी सरकारी गेस्ट हाउस है, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ पीएम मोदी की वार्ता होनी है। पीएम मोदी ने मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। उन्होंने लिखा, एनएसए माइक वाल्ट्ज के साथ एक सार्थक बैठक हुई। वह हमेशा से भारत के बहुत अच्छे मित्र रहे हैं। रक्षा, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा भारत-अमेरिका संबंधों के महत्वपूर्ण पहलू हैं और हमने इन मुद्दों पर शानदार चर्चा की। एआई, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की प्रबल संभावना है। अमेरिकी एनएसए के बाद पीएम मोदी की मुलाकात टेक अरबपति एलन मस्क से भी हुई। पीएम मोदी ने एक्स पर मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ÷वाशिंगटन डीसी में एलन मस्क के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। हमने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें वे मुद्दे भी शामिल हैं, जिनके बारे में वह भावुक हैं, जैसे कि अंतरिक्ष, गतिशीलता, प्रौद्योगिकी और नवाचार। मैंने सुधार और 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' को आगे बढ़ाने की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बात की। इससे पहले अमेरिकी सीनेट द्वारा पद की शपथ लेने और पुष्टि किए जाने के तुरंत बाद बुधवार शाम को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, अमेरिका में राजदूत विनय क्वात्रा और विदेश सचिव विक्रम मिस्री शामिल थे। वाल्ट्ज भारत के पुराने सहयोगी हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के रिपब्लिकन सदस्य के रूप में अपने पिछले कार्यकाल में वह डेमोक्रेट रो खन्ना के साथ कांग्रेस के इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष थे। वाल्ट्ज भारत के साथ संबंधों के प्रबल समर्थक रहे हैं।

अमेरिका की नई शीर्ष जासूस गबार्ड ने पहले भी भारत का समर्थन किया है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य और डेमोक्रेट के तौर पर वह इंडिया कॉकस की सह-अध्यक्ष थीं। असल में, ट्रंप कैबिनेट में अब इंडिया कॉकस के दो पूर्व सह-अध्यक्ष हैं। गबार्ड-पीएम मोदी की मुलाकात के बारे में एक्स पर एक पोस्ट में पीएमओ इंडिया ने कहा, उन्होंने भारत-अमेरिका दोस्ती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

दक्षिण कोरिया के निर्माण स्थल पर आग लगने से चार लोगों की मौत, दो अस्वस्थ

सोल। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर बुसान में शुक्रवार को एक निर्माण स्थल पर आग लगने के बाद दिल का दौरा पड़ने से चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य को अस्पताल में भर्ती

कराना पड़ा। विभिन्न मीडिया आउटलेट्स ने यह जानकारी दी। राजधानी सोल से लगभग 325 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में बुसान में एक होटल निर्माण स्थल पर स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10ः51 बजे आग लग गई।

दिल के दौरे का शिकार हुए छह लोगों में से चार लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। पहले की रिपोर्टों में कहा गया था कि आग लगने से आठ लोगों को दिल का दौरा पड़ा। आग लगने से पहले इमारत के अंदर 10 कर्मचारी काम कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, आग पहली मंजिल पर एक स्विमिंग पूल के पास लादी गई इन्सुलेशन सामग्री से शुरू हुई थी।

हम भारत–अमेरिका के संबंधों को दोगुनी गति से आगे बढ़ाएंगे : पीएम मोदी

एजेंसी

वाशिंगटन । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में बहुत बड़ा व्यक्तिगत योगदान दिया और उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान दोनों पक्ष अधिक तेजी से काम करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना बहुत अच्छा दोस्त कहाराष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए व्हाइट हाउस लौटने के बाद दोनों नेताओं ने पहली बार स्पष्ट गर्मजोशी, मित्रता और परिचय के साथ मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने अपने घनिष्ठ संबंधों का उल्लेख किया और बताया कि वह इसका उपयोग भारत-अमेरिका संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए कैसे करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल और संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा, मेरे लिए खुशी की बात है कि आते ही राष्ट्रपति ट्रंप ने एक मित्र की तरह मुझे पुराने अहमदाबाद के स्टेडियम की याद दिलाई। ये बात सही है कि ह्यूस्टन में हाउडी मोदी और गुजरात में अहमदाबाद में नमस्ते

ट्रंप वो दो ऐसे बहुत विशाल कार्यक्रम रहे जिसकी गूंज आज भी भारत के हर कोने में सुनाई दे रही है। भारत-अमेरिका संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में, उसको एक नई ऊंचाई देने में और व्यापकता देने में राष्ट्रपति ट्रंप की पहले टर्म की बहुत बड़ी भूमिका रही है और मुझे विश्वास है कि दूसरे टर्म में भी हम उसी गति से आगे बढ़ेंगे। मैंने जैसे भारत के नागरिकों को वादा किया है कि मैं तीसरे टर्म में तीन गुना गति से काम करूंगा और मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ आने वाले चार वर्ष हम भारत-अमेरिका के संबंधों की गति में दोगुना गति से काम करेंगे।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप की सराहना करते हुए कहा कि वह भी उनकी तरह भारत के राष्ट्रीय हित को हर चीज से ऊपर रखते हैं। उन्होंने कहा, एक बात जिसकी मैं गहराई से सराहना करता हूं, और जो मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से सीखी है, वह यह है कि वह राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च मानते हैं। उनकी तरह मैं भी भारत के राष्ट्रीय हित को हर चीज से ऊपर रखता हूं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बातचीत के एजेंडे को स्पष्ट किया, जिससे पीएम मोदी के साथ अपनी बातचीत में अमेरिका के राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने की उनकी उत्सुकता स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुई। ट्रंप ने कहा कि वह हमारे तेल और गैस की बहुत अधिक खरीदारी करने वाले हैं। हमारे पास दुनिया के किसी भी देश से कहीं अधिक तेल और गैस है, और उन्हें इसकी ज़रूरत है, और हमारे पास यह है। हम व्यापार के बारे में बात करेंगे, हम कई चीजों के बारे में बात करेंगे, लेकिन वास्तव में यह सम्मान की बात है कि आपसे मिल रहा हू, और आप मेरे लंबे समय के दोस्त रहे हैं।ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक का पूर्वावलोकन करते हुए पहले संवाददाताओं से कहा कि दोनों पक्ष व्यापार समझौते पर काम करना फिर से शुरू करेंगे और उम्मीद है कि 2025 में इसे पूरा कर लिया जाएगा।

स्थानीय समाचार

उपराज्यपाल, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री ने दिव्य कला मेले का उद्घाटन किया

जम्मू 14 फरवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने गुलशन ग्राउंड में 11 दिवसीय दिव्य कला मेले का उद्घाटन किया, जो दिव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भारत सरकार की एक अनूठी पहल है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम के सहयोग से आयोजित किए जा रहे दिव्य कला मेले में दिव्यांग कारीगरों और उद्यमियों और जम्मू-कश्मीर यूटी और विभिन्न अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कलाकारों की असाधारण प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमशीलता की भावना का प्रदर्शन किया गया।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने भारत सरकार और इस नेक प्रयास से जुड़े सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दिव्य कला मेला दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की माननीय प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दिव्यांगजनों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाने के अपने संकल्प को दोहराते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर दिव्यांगजनों को समान अवसर प्रदान करने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री सकीना इत्तू, संसद सदस्य जुगल किशोर शर्मा, आयुक्त सचिव समाज कल्याण विभाग संजीव वर्मा, संयुक्त सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग राजीव शर्मा, संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार, वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, कलाकार, कारीगर और उद्यमी तथा समाज के सभी क्षेत्रों से सम्बंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

महामंडलेश्वर साध्वी संजनानंद गिरि जी ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

जम्मू 14 फरवरी। महामंडलेश्वर साध्वी संजनानंद गिरि जी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और आगामी चतुष्पथ यात्रा पर चर्चा की, जो समाज के उत्थान, आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने, पर्यावरण जागरूकता और लोक कल्याण के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी आध्यात्मिक यात्रा है।

बैठक के दौरान, महामंडलेश्वर संजनानंद गिरि जी ने यात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला, जो शांति, सद्भाव और टिकाऊ जीवन का संदेश फैलाते हुए जम्मू और कश्मीर सहित विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी।

उपराज्यपाल ने केंद्र शासित प्रदेश में यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन, मेडिकॉन-2025 को संबोधित किया

जम्मू 14 फरवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रमुख अस्पतालों पर बोझ कम करने के लिए विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आपातकालीन मामलों से निपटने और क्षमता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने यह सुनिश्चित करने के महत्व पर भी जोर दिया कि डॉक्टर शहरी केंद्रों से परे भी सेवा करें। हमें नए जीएमसी में आपातकालीन प्रबंधन क्षमता को बढ़ाने और सुधारने की जरूरत है ताकि जीएमसी जम्मू और जीएमसी श्रीनगर पर दबाव स्वचालित रूप से कम हो जाए। इसी तरह, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे डॉक्टर सिर्फ शहरों में प्रैक्टिस न करें। मैं जानता हूं कि यह कहना कोई लोकप्रिय बात नहीं है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र भी उचित स्वास्थ्य देखभाल पहुंच के हकदार हैं।''

मुख्यमंत्री ने यह बात सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू में पहली बार राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-कार्यशाला जेके मेडिकॉन-2025 को संबोधित करते हुए कही।

यह कार्यक्रम जेएंडके मेडिकल काउंसिल द्वारा छात्र अनुसंधान विकास परिषद के सहयोग से आयोजित किया गया।

सम्मेलन में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला, सचिव एच एंड एमई डॉ. सैयद आबिद रशीद, जम्मू पश्चिम विधायक अरविंद गुप्ता, जीएमसी जम्मू के प्रिंसिपल और डीन डॉ. आशुतोष गुप्ता, जेके मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. मुहम्मद सलीम खान, वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉक्टर, संकाय और छात्र उपस्थित थे।

उमर अब्दुल्ला ने पूरे जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा पहुंच में सुधार के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा हमारी चुनौती स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ बनाना है। प्रोफेसर गुप्ता ने जीएमसी जम्मू की आपातकालीन सेवाओं

पर अत्यधिक दबाव की ओर इशारा किया, जो इस तथ्य से उत्पन्न होता है कि परिधीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा आवश्यक मानक की नहीं है। यह लोगों को शहरों में घुसने के लिए मजबूर करता है।卐 उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसका समाधान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार करना है।

इस दबाव को कम करने का तरीका सिर्फ जम्मू में हमारे बुनियादी ढांचे का विस्तार करना नहीं है, बल्कि परिधीय क्षेत्रों में सुविधाओं को मजबूत करना है। एक समय था जब हमारे पास केवल जीएमसी जम्मू और जीएमसी श्रीनगर थे। अब, हमारे पास जिला स्तर पर जीएमसी हैं।

मेडिकॉन-2025 के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने प्रमुख चिकित्सा मुद्दों पर बहस और चर्चा को बढ़ावा देने में इसके महत्व को स्वीकार किया।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि प्रतिभागी मेडिकॉन के माध्यम से 11 क्रेडिट अर्जित करेंगे, जो अधिक जुड़ाव और उत्साह को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि चिकित्सा विज्ञान में भविष्य की प्रगति हमारी चर्चाओं का हिस्सा होगी, तकनीक कितनी फायदेमंद है, मशीनों द्वारा मानव संपर्क को कितना प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। हालांकि कुछ कार्य एआई द्वारा बेहतर ढंग से किए जा सकते हैं, लेकिन कुछ चीजें ऐसी भी हैं जो केवल मनुष्य ही कर सकते हैं।''

महाकुम्भ में सनातन धर्म का विराट दर्शन, श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ पार

महाकुम्भ नगर, 14 फरवरी। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम महाकुम्भ 2025 अब इतिहास रच चुका है। यहां अबतक पचास करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम की है। 50 करोड़ से अधिक की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अबतक की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। इस विराट समागम का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया में केवल भारत और चीन की जनसंख्या ही यहां आने वाले लोगों की संख्या से अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के सुव्यवस्थित प्रयासों से भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया को मुग्ध कर दिया है।

अमेरिका, रूस और पाकिस्तान जैसे देशों की जनसंख्या भी इतनी नहीं

यूएस सेंसस ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार पूरी दुनिया के 200 से अधिक राष्ट्रों में जनसंख्या के दृष्टिकोण से टॉप 10 देशों में क्रमशः भारत (1,41,93,16,933), चीन (1,40,71,81,209), अमेरिका (34,20,34,432), इंडोनेशिया (28,35,87,097), पाकिस्तान (25,70,47,044), नाइजीरिया (24,27,94,751), ब्राजील (22,13,59,387), बांग्लादेश (17,01,83,916), रूस (14,01,34,279) और मैक्सिको (13,17,41,347) शामिल हैं। वहीं महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं की अबतक की संख्या (50 करोड़ पार) को देखा जाए तो केवल भारत और चीन की जनसंख्या ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं से अधिक है। जबकि अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नाइजीरिया, ब्राजील, बांग्लादेश, रूस और मैक्सिको की जनसंख्या भी इससे कहीं पीछे है। ये दिखाता है कि महाकुम्भ अब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह सनातन धर्म के विराट स्वरूप का प्रतीक बन चुका है।

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। बता दें कि उनका यह आंकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था। वहीं शुक्रवार (14 फरवरी) को यह संख्या 50 करोड़ के ऊपर पहुंच चुका है। अभी महाकुम्भ में 12 दिन और एक महत्वपूर्ण स्नान पर्व शेष है। पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की यह संख्या 55 से 60 करोड़ के ऊपर जा सकती है।

यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। वहीं माघी पूर्णिमा के महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर भी दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया था।

महाकुम्भ को बदनाम करने वालों पर पुलिस सख्त, 54 सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज

महाकुम्भ नगर, 14 फरवरी। महाकुम्भ 2025 की जहां एक तरफ पूरे विश्व में प्रशंसा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे तत्व भी कम नहीं है, जो सोशल मीडिया के जरिए फर्जी वीडियो और भ्रामक खबरें पोस्ट कर के सनातन धर्म के इस सबसे बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक समागम को बदनाम करने में लगे हुए हैं। यूपी पुलिस ऐसे कुत्सित प्रयास करने वालों से सख्ती बरत रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस सोशल मीडिया पर 24ङ्ग7 पैनी नजर रख रही है। इसी क्रम में पुलिस ने अबतक 54 ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ विधिक कार्रवाई की है, जो फर्जी और भ्रामक पोस्ट के जरिए जनता में अफवाह फैलाने का काम कर रहे थे।

दो प्रमुख भ्रामक वीडियो पोस्ट करने पर हुई कार्रवाई13 फरवरी 2025 को सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान दो वीडियो को पुलिस ने विशेष संज्ञान में लिया, जिन्हें महाकुम्भ से जोड़कर भ्रामक रूप से प्रस्तुत किया गया था।

इनमें मिस्र के अग्निकांड को महाकुम्भ की आग बताते हुए पोस्ट किया गया था। यह वीडियो मिस्र में वर्ष 2020 में हुई एक तेल पाइपलाइन दुर्घटना का था, जिसे यह कहकर प्रसारित किया गया कि महाकुम्भ बस स्टैंड में आग लगी, 40-50 गाड़ियां जलकर राख हो गईं।

इस अफवाह को फैलाने वाले सात सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ कोतवाली कुम्भ मेला में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

वहीं दूसरे वीडियो में पटना की घटना को महाकुम्भ से जोड़ा गया।

यह वीडियो बिहार में एक फिल्म प्रमोशन इवेंट के दौरान हुई अव्यवस्था का था, जिसे महाकुम्भ से जोड़कर यह अफवाह फैलाई गई कि कुम्भ में राष्ट्रवादी लोगों ने आर्मी जवानों पर चप्पलें फेंकी। इस पोस्ट के लिए 15 सोशल मीडिया अकाउंट को चिह्नित कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई है।

मिस्र की घटना को महाकुम्भ 2025 से जोड़ने वाले इन सोशल मीडिया अकाउंट्स पर हुई कार्रवाई इससे पहले भी हो चुकी है फेक पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई

बता दें कि विगत एक माह में महाकुम्भ मेले को बदनाम करने वाले विभिन्न प्रकार के भ्रामक पोस्ट और वीडियो वायरल किए गए, जिनमें से प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:

13 जनवरी 2025 : एक ट्विटर अकाउंट ने फायर सर्विस की मॉक ड्रिल का वीडियो पोस्ट कर इसे वास्तविक आग की घटना बताया।

02 फरवरी 2025 : नेपाल के पुराने वीडियो को महाकुम्भ की भगदड़ का वीडियो बताकर पोस्ट करने पर सात अकाउंट पर कार्रवाई।

07 फरवरी 2025 : संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ को भगदड़ के रूप में दिखाने वाले एक फेसबुक अकाउंट पर एफआईआर।

09 फरवरी 2025 : झारखंड के धनबाद की घटना को महाकुम्भ से जोड़ने वाले 14 ट्विटर अकाउंट के विरुद्ध मुकदमा।

12 फरवरी 2025 : वर्ष 2021 में गाजीपुर में मिले शवों की तस्वीरों को महाकुम्भ से जोड़ने वाले सात अकाउंट पर कार्रवाई।

महाकुम्भ के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपनाई है विशेष रणनीतिमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने साइबर पेट्रोलिंग की व्यापक रणनीति तैयार की है। इसके अंतर्गत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की सतत निगरानी की जा रही है। साथ ही भ्रामक पोस्ट की त्वरित पहचान करके उसका खंडन करना, अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यूपी पुलिस इस काम में सोशल मीडिया एक्सपर्ट्स का भी सहयोग ले रही है।

उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी जानकारी को शेयर करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि करें। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी ताकि महाकुम्भ मेले की पवित्रता बनी रहे।

उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा : गडकरी

गडकरी ने लखनऊ में 1028 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

लखनऊ, 14 फरवरी। उत्तर प्रदेश को भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दे रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफलता हासिल की है। नितिन गडकरी लखनऊ में आयोजित 1028 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व गुरू व 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और इसमें उत्तर प्रदेश की भूमिका

यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ : गडकरी

- कुंभ मेले से यूपी की जीडीपी में 3 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

- उत्तर प्रदेश बनेगा देश की आर्थिक रीढ़: नितिन गडकरी

अहम होगी। उन्होंने जोर दिया कि अगर सड़क, जल, ऊर्जा, परिवहन और संचार की व्यवस्थाएं मजबूत होंगी, तो उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, पूंजी निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक 1.25 लाख करोड़ रुपये की सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, 1 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं और 1 लाख करोड़ रुपये की योजनाएं पाइपलाइन में हैं। उन्होंने कहा कि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का निर्माण देश में पहली बार 'ऑटोमेटेड इंटेलिजेंट मशीन एंड गाइडेड कंस्ट्रक्शन' तकनीक से किया जा रहा है, जिससे सड़क की गुणवत्ता बेहतर होगी और 10 वर्षों तक उस पर कोई गड्ढा नहीं बनेगा। इसके अलावा, पूर्वांचल को औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए वाराणसी से कोलकाता और गोरखपुर से सिलीगुड़ी तक 75,000 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। गडकरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया कि इन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय स्वीकृतियों को शीघ्रता से पूरा किया जाए, जिससे इनका काम जल्द शुरू किया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में लॉजिस्टिक लागत 12% और चीन में 8% है, जबकि भारत में यह पहले 16% थी। लेकिन मोदी सरकार ने इसे घटाकर 9% तक लाने का लक्ष्य रखा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को डेढ़ गुना बढ़ावा मिलेगा और करोड़ों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खुलेंगे। परिवहन मंत्री ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए सिर्फ सड़कें बनाना ही काफी नहीं, बल्कि हमें ईंधन के क्षेत्र में भी नवाचार करने होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार बायोफ्यूल, एथेनॉल, इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों को बढ़ावा दे रही है। इससे किसानों को न केवल अन्नदाता, बल्कि ऊर्जा और ईंधन दाता भी बनाया जा रहा है।

काशी तमिल संगमम का साक्षी बनेगा महाकुम्भ, 16 फरवरी से 24 फरवरी तक होगा आयोजन

महाकुम्भ नगर, 14 फरवरी। काशी तमिल संगमम प्रयागराज महाकुम्भ में उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृतियों का साक्षी बनेगा। 16 फरवरी से 24 फरवरी के बीच दक्षिण भारत के अतिथि प्रयागराज महाकुम्भ भी आएंगे। काशी तमिल संगमम का यह तीसरा संस्करण 卐 एक भारत, श्रेष्ठ भारत 卐 के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में उपयोगी साबित होगा।

एकता में विविधता को सुदृढ़ करेगा काशी तमिल संगमम का तीसरा संस्करण

प्राचीन भारत में शिक्षा और संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्रों वाराणसी और तमिलनाडु के बीच जीवंत संबंधों को पुनर्जीवित करने क्रम में काशी तमिल संगमम का आयोजन किया जा रहा है। काशी तमिल संगमम का उद्देश्य एकता में विविधता को मजबूत करना है, विशेष रूप से काशी और तमिलनाडु के बीच संबंध को सुदृढ़ करना है। इस वर्ष काशी तमिल संगमम दो महत्वपूर्ण आयोजनों के साथ हो रहा है जो इसे और विशिष्ट बनाने जा रहा है। इसमें संगम, प्रयागराज में महाकुंभ का उत्सव और अयोध्या में रामजन्म भूमि मंदिर का उद्घाटन शामिल है। वैसे तो काशी तमिल संगमम (3.0) का मुख्य कार्यक्रम वाराणसी में मनाया जाएगा लेकिन इन प्रतिनिधियों को संगम, प्रयागराज में पवित्र स्नान और अयोध्या में भगवान राम के दर्शन के लिए ले जाया जाएगा। डीएम प्रयागराज रविंद्र कुमार मांदड़ का कहना है कि प्रयागराज में इसके आयोजन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसका आयोजन 15 फरवरी से 24 फरवरी 2025 तक होगा। प्रयागराज महाकुंभ भी इसका साक्षी बनने जा रहा है।

काशी तमिल संगमम के अतिथियों का महाकुंभ में 16 फरवरी को सेक्टर 22 के दिव्य कुंभ रिट्रीट टेंट सिटी में आगमन होगा। यहीं पर उनका स्वागत, अभिनंदन होगा। महाकुंभ नगर ने सेक्टर 21 में अहिल्याबाई होलकर मंच में शाम को सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। अगले दिन 17 फरवरी को प्रतिनिधि संगम में स्नान करने के बाद लेटे हनुमान जी का, शंकर विमान मंडपम में दर्शन करेंगे। डिजिटल कुंभ प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद ये अयोध्या धाम के लिए शाम को प्रस्थान कर जाएंगे। इस तरह हर एक ग्रुप का महा कुम्भ में दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम होगा।

इस बार के काशी तमिल संगमम में युवाओं की भागेदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा। पिछले दो संस्करण में इसमें 4000 लोग शामिल हो चुके हैं। प्रशासन का अनुमान है कि इस वर्ष काशी तमिल संगमम में 1000 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसके लिए 5 श्रेणियों बनाई गई हैं। छात्र, शिक्षक, किसान और कारीगर, पेशेवर और छोटे उद्यमी, महिलाएं और शोधकर्ता इसमें भाग लेंगे। इसके अलावा, सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों से 200 तमिल छात्रों का एक बैच वाराणसी, प्रयाग राज और अयोध्या में स्थानीय यात्राओं में भी भाग लेगा। वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या में स्थानीय कार्यक्रम होंगे, जिसमें दोनों केंद्रों के विशिष्ट ज्ञान को शामिल किया जाएगा।